

मणिपुर में तीन लोगों की हत्या के बाद बवाल, सीएम आवास के बाहर शव रखकर विरोध प्रदर्शन

इंफाल, 19 अक्टूबर। मणिपुर में सोमवार को जंगल से लकड़ी इकट्ठा कर रहे तीन लोगों की कथित तौर पर उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री आवास के बाहर दो शव रख दिए। अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पूर्व और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर लकड़ी इकट्ठा करने वाले लोगों के एक समूह पर उग्रवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें तीन अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीन और लोग लापता हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि अरुबम रोनिन (35) और लैरेनलाकतम इनाओबी (51) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि क्षेत्रियायुम सुशील (32) ने एक



निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों - एन सूरज (19), मेइसनाम सोमैद्री (53) और के बोसन (45) - का इलाज चल रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, ये लोग उन 16 लोगों में शामिल थे जो सुबह

करीब 7 बजे अपने गांव के पास की पहाड़ियों पर जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने गए थे, तभी उन पर हमला कर दिया गया। मुख्यमंत्री आवास के बाहर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद, मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने निजी अस्पताल में भर्ती घायलों से

मुलाकात की, लेकिन मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। गुस्साए स्थानीय लोगों ने राज्य में मई 2023 से जारी हिंसा के विरोध में शवों को राजधानी लाकर मुख्यमंत्री आवास के मुख्य द्वार के बाहर रख दिया। यह तुरंत पता नहीं चल सका कि विरोध प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री आवास पर मौजूद थे या नहीं।

प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के कई गोले छोड़े, जिसके बाद शवों को जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया। मुख्यमंत्री आवास और वहां जाने वाले रास्तों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रदर्शनकारियों ने खुराई लमलॉन में एक सड़क जाम कर दी, जबकि इंफाल के एमा केइथेल में महिलाओं

के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना के बाद पूरे इंफाल में बाजार और दुकानें बंद रहीं।

कांग्रेस विधायक दल के नेता केशम मेघचंद ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह की सरकार मणिपुर में शांति और सामान्य हालात बहाल करने में नाकाम रही है। मेघचंद ने कहा कि बेगुनाह लोगों की लगातार हो रही मौतें राज्य में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दिखाती हैं। साथ ही, इससे यह सवाल भी उठता है कि सरकार मौजूदा संकट से निपटने के लिए क्या कदम उठा रही है। कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह से नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।

हूती विद्रोहियों का यमन के सैन्य शिविर पर बड़ा हमला, 53 सैनिकों की मौत, 200 से ज्यादा घायल



अदन, 19 अक्टूबर। ईरान समर्थित हूती लड़ाकों ने यमन में सरकारी सेना के शिविर पर हमला कर कम से कम 53 सैनिकों को मार डाला है, 200 से ज्यादा सैनिक घायल हुए हैं। हूती का यह हमला देश में चल रही लड़ाई के बीच हुआ है। इस लड़ाई में सऊदी अरब सरकारी सेना के साथ है और उसके समर्थन में सऊदी वायुसेना हूती पर हवाई हमले कर रही है। पता चला है कि हूती ने शाबवा प्रांत में स्थित अल-आलम सैन्य शिविर पर

बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया। यमन की नेतृत्व परिषद के प्रमुख राशद अल-अलीमी ने कहा है कि मारे गए सभी सैनिक हाल में भर्ती हुए थे, उनकी मौत का बदला लिया जाएगा। यमन की सेना के प्रवक्ता कर्नल माजेद अल-नाजिली ने बताया है कि हूती ने प्रशिक्षण केंद्र पर तीन बैलेस्टिक मिसाइलें दागी थीं। इस हमले के बारे में अन्य नुकसान का प्रवक्ता ने विवरण नहीं दिया है। हूती लड़ाकों ने कहा है कि रविवार को उनके नियंत्रण वाले सादा प्रांत में सऊदी वायुसेना के हवाई हमले में नौ लोग मारे गए जिनमें पांच बच्चे और दो महिलाएं हैं। हमले में 30 लोग घायल भी हुए हैं। हूती ने कहा है कि सऊदी अरब से इस हमले का बदला लिया जाएगा। बता दें कि 2022 में हूती और सऊदी अरब के बीच हुए समझौते के बाद बीते सितंबर में दोनों के बीच पहली बार भीषण लड़ाई छिड़ी है जिसमें लड़ाके भारी पड़ रहे हैं। इसमें सऊदी समर्थित यमन की सरकारी सेना से हूती जमीनी लड़ाई लड़ रहे हैं जबकि रियाद व अन्य शहरों पर लड़ाके मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहे हैं। हूती ने इन हमलों में सऊदी अरब के हवाई अड्डों, तेल ठिकानों, सैन्य ठिकानों और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को निशाना बनाया है। जमीन और समुद्र की लड़ाई में हूती ने महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग बाब अल-मंदेब स्ट्रेट और लाल सागर के तटवर्ती क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। हूती ने इस मार्ग पर सऊदी अरब के जहाजों के निकलने पर रोक लगा रखी है।

एशियन पैरा गेम्स 2026 के पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन

जापान, 19 अक्टूबर। जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने पहले ही दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए पदकों की झड़ी लगा दी। प्रतिযোগिता के पहले दिन भारत ने चार स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य समेत कुल 11 पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के दम पर भारत पदक तालिका में चौथे स्थान



पर पहुंच गया है। निशानेबाजी, तीरंदाजी, पैरा एथलेटिक्स, तैराकी और पैरा जूडो में भारतीय

खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। खास बात यह रही कि कई स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने एक साथ दो पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, जबकि तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमन कुमार ने विश्व रिकॉर्ड कायम किया। भारत के पदक अभियान की शुरूआत निशानेबाजी में शानदार रही। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग रग्ल 1 स्पर्धा में मोना अग्रवाल ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि पैरालंपिक चैंपियन अर्वािन लेखरा को रजत पदक मिला।

अवकाश सूचना
असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजय दशमी के शुभ अवसर पर समाचार पत्र का कार्यालय 20 अक्टूबर 2026 को बंद रहेगा।
-संपादक

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में मुंबई पुलिस का खुलासा : 'पहले से धमकी का कोई रिकॉर्ड नहीं,'

मुंबई, 19 अक्टूबर। अभिनेता टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाकर गोलीबारी के मामले में मुंबई पुलिस के डीसीपी राज तिलक रौशन ने बताया कि कल शाम करीब 7 बजे एक मशहूर फिल्म अभिनेता की कार पर फायरिंग की गई। बाइक पर 3 लोग सवाल थे, उनमें से दो ने फायरिंग की और फिर बाइक से भाग गए। डीसीपी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की 20 टीमें बनाई गई हैं। फ्रीड वर्क और तकनीकी विशेषण के आधार पर, अंधेरी वेस्ट रेलवे स्टेशन के पास उस बाइक का पता चला। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी विशेषण से हमें उन तीनों के रास्ते का पता चला। पता चला कि वे उत्तरी मुंबई की ओर गए और वहां से सूरत निकल गए। बाद में हमें जानकारी मिली कि वे पुणे-जयपुर एक्सप्रेस में सवाल हुए हैं। हमने पता लगाया कि वे किस डिब्बे में हैं और कोटा पुलिस को सूचित किया। कोटा पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और फिर हमने उन्हें अपनी कस्टडी में ले लिया। उन्हें मुंबई लाने की प्रक्रिया चल रही है। डीसीपी राज तिलक रौशन ने बताया कि इस मामले में दिल्ली पुलिस, गुजरात पुलिस और राजस्थान पुलिस ने हमारी मदद की है। फिलहाल हत्या के प्रयास



और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जैसे-जैसे और जानकारी मिलेगी, हम आगे की कार्रवाई करेंगे और कुछ और लोगों को

भी गिरफ्तार किया जाएगा। मुंबई पुलिस के डीसीपी राजतिलक रौशन ने कहा कि अब हमारे पास तीन आरोपी हैं। 2 हरियाणा से हैं और 1 बिहार से हैं। इस मामले में कोई भी आरोपी नाबालिग नहीं है। डीसीपी राजतिलक रौशन ने कहा कि हमारे रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे पता चले कि इस घटना से पहले टाइगर श्रॉफ को कोई धमकी मिली हो। हमने जांच शुरू कर दी है और जल्द ही इस मामले की बड़ी साजिश का पता चल जाएगा।

विजयादशमी एवं दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं

बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है विजयादशमी। दशहरे का यह पावन पर्व आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता लाएगा। भगवान श्रीराम की कृपा आप सभी पर सदैव बनी रहे।

शुभचक्र: **नवीन सिंह**
भाजपा नगरसेवक
वारं क्रमांक 16, मीरा रोड

विजयादशमी एवं दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं

बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है विजयादशमी। दशहरे का यह पावन पर्व आपके जीवन को नई ऊर्जा और खुशियों से भर दे। आप सभी की दशहरा एवं विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं।

शुभचक्र: **तारकेश्वर पांडे**
उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक
मीरा भायंदर, मुंबई। मो. नंबर 8268 2 97866

श्री रामलीला उत्सव समिति
पार्क साइट, विक्रोली (प.) मुंबई

दि. 20 अक्टूबर 2026 द्वारा आयोजित

विजयादशमी वी हार्दिक शुभकामनाएं

अधर्म पर धर्म की, असत्य पर सत्य की और बुराई पर अच्छाई की विजय का यह पावन पर्व हम सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सफलता का नया सवेरा लेकर आए। आप सभी को विजयादशमी एवं दशहरे की हार्दिक बधाई एवं मंगल कामना

॥ आइये हम सब साथ मिलकर रावण दहन करें और शाम 5 बजे से दशहरे मेले का आनंद उठाएं ॥

अखिल भारतीय काव्य समारोह

श्री राव अजातशत्रु (उदयपुर) डॉ. कमलेश शर्मा (इटावा) डॉ. सौरभकांत शर्मा (सम्भल) सुश्री कल्पना शुक्ला (दिल्ली) श्री संजय बंसल (मुंबई)

21 अक्टूबर 2026, बुधवार
शाम : 6.00 बजे
स्थान: श्री रामलीला उत्सव समिति, पार्क साइट, विक्रोली (प.) मुंबई

डॉ. रजनीकांत मिश्र (सूत्रधार) स्व. श्री चंद्रशेखर आर. शुक्ल (पूर्व प्रमुख नार्गदर्शक) श्री प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल (अध्यक्ष)

श्री राम कथा

दिनांक : 21 अक्टूबर 2026 से 29 अक्टूबर 2026

स्थान - बी. आर.पी. इंटर कॉलेज मैदान, जौनपुर

कथा समय - अपराह्न 3 बजे से सांय 6 बजे तक

भव्य कलश यात्रा एवं झांकी

दिनांक : 20 अक्टूबर 2026, सुबह 09:00 बजे से

हनुमान घाट से केरारवीर मंदिर
चहारसू चौराहा ओलन्दगंज,
पॉलिटेक्निक चौराहा,
वाजिदपुर तिराहा,
बी.आर.पी. इण्टर कॉलेज, मैदान

कथा व्यास : परम्पूज्य **आचार्य शान्तनु जी महाराज**

आप सभी **रामचरणानुगामी भक्तजन** सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य आयोजक **ज्ञान प्रकाश सिंह**

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?



-ललित गार्ग

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उत्सवास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जानने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को छो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यंकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या अनधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उसी ही बड़ी होगी? संकरी गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है।

कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आहतकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, थोड़ी की आवाजही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अपघवाह फैलना या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे पहलू में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है। हमारे धर्म और संस्कृति का मूल संदेश करुणा, अहिंसा, सेवा और जीवन के प्रति आदर है। पूजा-पाठ का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक है, जब हमारी आस्था मानवता की रक्षा का माध्यम बने। यदि किसी धार्मिक आयोजन में सुरक्षा की अनदेखी होती है, तो वह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उन मूल्यों से विचलन भी है, जिसका उद्देश्य मानने का दावा किया जाता है। देवी की आराधना करने वाले समकाल को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी श्रद्धालु की जान अव्यवस्था के कारण न जाए। श्रद्धा का अर्थ आंखें बंद करके भीड़ का हिस्सा बन जाना नहीं, बल्कि विवेक, संयम और जिम्मेदारी के साथ अपने धर्म का निर्वाह करना है। अब समय आ गया है कि हर ऐसी त्रासदी को एक स्वतंत्र जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारों से जोड़ा जाए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो, दोषियों पर समयबद्ध कार्रवाई हो और भविष्य के आयोजनों के लिए लागू किए जाने वाले सुरक्षा मानकों की नियमित समीक्षा हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बड़े धार्मिक आयोजनों के लिए एक समान न्यूनतम सुरक्षा मानक विकसित करने चाहिए। आयोजक समितियों, प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वयंसेवकों के बीच समन्वय को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं का पालन केवल कागजों में नहीं, जमीन पर दिखाई देना चाहिए। कोलकाता की त्रासदी हमें चेतावनी दे रही है कि उत्सव की चमक के पीछे छिपी लापरवाही कभी भी अंधकार बनकर उतर सकती है। मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धाजलि केवल शोक व्यक्त करना या उनके परिजनों को सहायता देना नहीं, बल्कि यह संकल्प लेना है कि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों। सरकार जागे, प्रशासन अपनी जिम्मेदारी संभाले, आयोजक अपनी प्रतिष्ठा से पहले लोगों की सुरक्षा को रखें और नागरिक अपनी आस्था के साथ विवेक को भी स्थान दें। आखिर कितने हादसों के बाद हम सीखेंगे? कितने परिवारों के उजड़ने के बाद हमारी व्यवस्थाएं बदलेंगी? और कितनी जिंदगियों की कीमत पर हम समझे कि कोई भी उत्सव, कोई भी आयोजन और कोई भी धार्मिक आस्था मनुष्य के जीवन से बड़ी नहीं हो सकती। आस्था का सच्चा सम्मान तभी होगा, जब हर श्रद्धालु उत्सव में सुरक्षित प्रवेश करे और संकुशल अपने घर लौटे।

कन्नौज का सांगठनिक संकट: 2027 की चुनौती डगर और सपा की नई रणनीति



अशोक भाटिया

कन्नौज के समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में खाली पड़ी कुर्सियों ने सिर्फ एक जिले की सांगठनिक विफलता को उजागर नहीं किया है, बल्कि इसने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी सपा के सामने एक गंभीर रणनीतिक चुनौती भी खड़ी कर दी है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में देश भर को चौंका देने वाले परिणाम देने के बाद समाजवादी पार्टी इस समय आत्मविश्वास से लबरेज है। पार्टी के रणनीतिकारों को लग रहा था कि उनका 'PDA' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का सामाजिक समीकरण जमीन पर पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। लेकिन अखिलेश यादव के अपने ही संसदीय क्षेत्र कन्नौज में प्रांतीय अध्यक्ष की मौजूदगी वाले कार्यक्रम का फ्लॉप होना यह साबित करता है कि लोकसभा चुनाव की सफलता से पैदा हुई आत्ममुग्धता अब पार्टी के लिए सबसे बड़ी दुश्मन बन रही है। इस घटना का आगामी 2027 के चुनावों और सपा की चुनावी रणनीति पर बहुत गहरा और दूरगामी असर पड़ने वाला है।

इस घटना का सबसे पहला और सीधा असर समाजवादी पार्टी के सबसे महत्वपूर्ण गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में पार्टी की मनोवैज्ञानिक पकड़

पर पड़ेगा। कन्नौज, मैनपुरी, इटावा और फिरोजाबाद जैसे जिले सपा के कोर वोट बैंक और सांगठनिक ताकत के केंद्र रहे हैं। जब इन मजबूत गढ़ों में ही पार्टी के अधिकारिक कार्यक्रमों में भीड़ नहीं जुटती, तो इसका सीधा फायदा सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को मिलता है। बीजेपी इस विफलता को एक बड़े नैरेटिव में बदलकर यह प्रचारित करने में जुट गई है कि 2024 में सपा को मिली सफलता केवल एक तात्कालिक लहर थी, न कि कोई स्थायी सांगठनिक बदलाव। चुनावी साल से ठीक पहले अपने ही अभेद्य दुर्ग में इस तरह की सांगठनिक कमजोरी का दिखना सपा के उन कार्यकर्ताओं के मनोबल को तोड़ सकता है, जो 2027 में सत्ता परिवर्तन का ख्वाब देख रहे हैं।

इसके अलावा, इस वाक्ये ने सपा की चुनावी रणनीति में 'बूथ और कैंडर मैनेजमेंट' की गंभीर कमियों को उजागर कर दिया है। 2027 की चुनावी वैतरणी को पार करने के लिए सपा को केवल अखिलेश यादव के लोकप्रिय चेहरे और रैलियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। बीजेपी जैसी विशाल और चौबीसों घंटे सक्रिय चुनावी मशीनरी का मुकाबला करने के लिए बूथ स्तर पर एक अनुशासित कैंडर की जरूरत होती है। कन्नौज में स्थानीय नेताओं का खुद तो मंच पर बैठ जाना लेकिन जनता को न ला पाना यह दिखाता है कि पार्टी के भीतर 'जमीनी जवाबदेही' की भारी कमी है। नेता केवल मलाईदार पदों पर बने रहना चाहते हैं, लेकिन सांगठनिक जिम्मेदारी लेने से संकतरते हैं। अखिलेश यादव ने पूरी इकाई को भंग करके इसी जवाबदेही को तय करने की कोशिश की है। वे आने वाले समय में केवल उन्हीं चेहरों को तवज्जो देंगे जो सच में जमीन पर

पसीना बहा सकते हैं, न कि केवल हवाई दावे करते हैं।

अखिलेश यादव की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई का एक सकारात्मक पहलू यह है कि यह 2027 के लिए सपा की टिकट वितरण नीति को पूरी तरह बदल कर रख देगी। अब तक सपा में कई बड़े और पुराने नेता अवरूख और इतिहास के दम पर टिकट सुरक्षित मान लेते थे। लेकिन एटा, कासगंज, गोरखपुर और अब कन्नौज में हुई सिलसिलेवार सांगठनिक शल्य चिकित्सा ने यह साफ कर दिया है कि अब केवल 'अखिलेश के करीबी' होने का तमगा काम नहीं आएगा। 2027 के विधानसभा चुनाव में



टिकट वितरण का एकमात्र पैमाना नेताओं की जमीनी सक्रियता, जनता के बीच उनकी पकड़ और संगठन के प्रति उनकी वफादारी ही होगी। जो नेता अपने जिले में प्रदेश नेतृत्व का सम्मान नहीं करा सकते या साधारण सांगठनिक बैठकों में भीड़ नहीं जुटा सकते, वे चुनाव के दिन मतदाताओं को पोलिंग बूथ तक लाने की गारंटी कैसे दे सकते हैं? इस लिहाज से यह कार्रवाई सपा के भीतर एक नए, युवा और अधिक सक्रिय नेतृत्व को उभरने का मौका देगी, जो 2027 की कठिन चुनौती से निपटने में सक्षम हो।

अंततः, कन्नौज की घटना समाजवादी पार्टी के लिए 2027 के महासमर से ठीक पहले एक बेहद जरूरी 'अलार्म' (चेतावनी) की तरह है। राजनीति में अति-आत्मविश्वास हमेशा पतन का कारण बनता है। 2024 की जीत के

बाद जो नेता और कार्यकर्ता आराम की मुद्रा में आ गए थे, उनके लिए पूरी जिला इकाई का भंग होना एक कड़ा सबक है। अखिलेश यादव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सत्ता का रास्ता किसी के प्रभाव या पैरवी से नहीं, बल्कि कड़े सांगठनिक अनुशासन और जमीनी संघर्ष से होकर ही गुजरेगा। यदि सपा इस झटके से उबरकर अपने सांगठनिक ढांचे को समय रहते दुरुस्त कर लेती है और आंतरिक गुटबाजी को खत्म कर नए कैंडर को तैयार करती है, तभी वह 2027 में बीजेपी के विजय रथ को रोकने की वास्तविक रणनीति बना पाएगी। अन्यथा, खाली कुर्सियों का यह सिलसिला केवल कन्नौज तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में पार्टी के चुनावी दावों की हवा भी निकाल सकता है।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) ने उत्तर प्रदेश में जिस 'PDA' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फामूलें को लागू किया था, उसने राज्य की सियासत का रुख पूरी तरह बदल दिया। इस सामाजिक गठबंधन के दम पर सपा ने न केवल अपनी सीटों में भारी इजाफा किया, बल्कि बीजेपी के मजबूत विजय रथ को भी करारी शिकस्त दी। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद अखिलेश यादव ने इसी फामूलें को 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की वैतरणी पार करने का मुख्य रणनीतिक हथियार घोषित कर दिया है। लेकिन लोकसभा के विधानसभा चुनावों की जमीनी हकीकत में जमीन-आसमान का अंतर होता है। कन्नौज में हाल ही में हुए PDA कार्यकर्ता सम्मेलन में खाली पड़ी कुर्सियों ने यह साफ कर दिया है कि कागज पर बेहद मजबूत दिखने वाला यह

समीकरण जमीनी स्तर पर कई गंभीर सांगठनिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहा है। 2027 की डगर पर सपा के इस नारे के सामने खड़ी जमीनी मुश्किलों का व्यापक विश्लेषण बेहद जरूरी है।

PDA समीकरण के सामने सबसे पहली और बड़ी चुनौती यह है कि यह अभी तक जमीन पर एक मजबूत सांगठनिक कैंडर का रूप नहीं ले पाया है, बल्कि केवल एक प्रभावी चुनावी नारा बनकर रह गया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता के बीच सत्ता विरोधी लहर और संविधान बदलने के नैरेटिव ने इस त्रिकोण (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को एक साथ आने पर मजबूर कर दिया था। लेकिन आने वाले चुनाव बीत गए, तो इस एकता को बनाए रखने के लिए जिस निरंतर सांगठनिक प्रयास की जरूरत थी, वह गायब हो चुका। कन्नौज की घटना इसका जीवंत प्रमाण है। जब पार्टी के शीर्ष नेतृत्व (अखिलेश यादव) की अनुपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल जैसे गैर-यादव पिछड़े चेहरे को आगे बढ़ाकर PDA सम्मेलन किया गया, तो स्थानीय यादव और मुस्लिम बहुल नेतृत्व ने इसमें कोई खास रस नहीं दिखाया। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि पार्टी का पारंपरिक सांगठनिक ढांचा अभी भी नए सामाजिक वर्गों को अपने भीतर पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाया है।

अखिलेश यादव के इस 'PDA' चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए बीजेपी अपनी पूरी ताकत से काउंटर-रणनीति पर काम कर रही है। बीजेपी लगातार यह प्रचारित कर रही है कि सपा का PDA असल में केवल परिवारवाद और अपराधियों का संघ है। बीजेपी ने गैर-यादव पिछड़ों और गैर-जाटव दलितों को

सरकारी योजनाओं (जैसे मुफ्त राशन, आवास और किसान सम्मान निधि) के जरिए सीधे लाभार्थी (Beneficiary) वर्ग में तब्दील कर दिया है। यह लाभार्थी वर्ग जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर मतदान करता है। इसके साथ ही, बीजेपी के संगठन का बूथ स्तर का पन्ना प्रमुख मॉडल सपा के कमजोर सांगठनिक ढांचे पर भारी पड़ता है। सपा के पास राष्ट्रीय स्तर पर तो बड़े चेहरे हैं, लेकिन बूथ स्तर पर बीजेपी जैसी चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली टोली की भारी कमी है, जो चुनाव के दिन वोटर को घर से निकालकर पोलिंग बूथ तक ला सके।

संक्षेप में कहें तो, समाजवादी पार्टी का 'PDA' समीकरण 2024 की परीक्षा में भले ही पास हो गया हो, लेकिन 2027 के फाइनल मुकाबले के लिए उसकी जमीनी राह कांचों भरी है। कन्नौज में खाली रही कुर्सियां इसी बात का अलार्म हैं कि सिर्फ नारों से सरकारें नहीं बदलतीं, उसके लिए मजबूत संगठन, आंतरिक गुटबाजी का खाम्ता और हर वर्ग के कार्यकर्ताओं का समान सम्मान जरूरी है। अखिलेश यादव को अगर 2027 में मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचना है, तो उन्हें अपनी इस 'सांगठनिक शल्य चिकित्सा' को और तेज करना होगा। उन्हें पार्टी के भीतर घर कर चुके पुराने और अकर्मण्य पावर-सेटर्स को हटाकर जमीन पर पसीना बहाने वाले वास्तविक ढ़ञ्च कार्यकर्ताओं को कमान सौंपनी होगी। तभी यह फामूला चुनावी नेतृत्व में तब्दील हो पाएगा, अन्यथा विरोधी दल इस आंतरिक अंतर्विरोध का फायदा उठाकर सपा के दावों की हवा निकालने के लिए पूरी तरह तैयार बैठे हैं।

रावण तो हर साल जलता है, रावणत्व कब जलेगा?



-सुरेश गांधी

शरद की सुनहरी धूप, उत्सव में दूबा जनमानस, सजे हुए दुर्गा पंडाल, रामलीला के अंतिम दृश्यों का रोमांच और फिर आसमान की छूती अग्निशिखाएं। विजयादशमी आते ही रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले धू-धूकर जल उठते हैं। आतिशबाजी की गुंज के बीच अर्धम पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का उद्घोष होता है। चहेरे उल्लास से दमकते हैं, बच्चे तालियां बजाते हैं और हर ओर उत्सव का रंग बिखर जाता है। लेकिन कुछ ही देर में जब पुतले राख बनकर जमीन पर बिखर जाते हैं, तब एक सवाल हवा में तैरता रह जाता है—रावण हर साल जलता है, फिर हमारे भीतर और समाज में जिंदा कैसे रह जाता है? यह सवाल के लिए किसी धार्मिक आयोजन या परंपरा से जुड़ा नहीं है। यह हमारे समय, हमारे आचरण और हमारे अंतर्मन से जुड़ा सवाल है। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम हर साल रावण का पुतला जलाकर अपने कर्तव्य की इतिथी मान लेते हैं, जबकि उसके प्रतीक अहंकार, लोभ, छल, अन्याय और संवेदनहीनता को अपने जीवन में जगह देते रहते हैं? यदि ऐसा है तो फिर विजयादशमी का उत्सव केवल एक रस्म बनकर रह जाने का खतरा है।

पुतला जलता है, बुराई की जड़ बच जाती है

समाज की विडंबना देखिए। स्वच्छता का संदेश देने वाला व्यक्ति अपने घर का कूड़ा पड़ोसी के दरवाजे पर डालने से गुरेज नहीं करता। महंगाई पर चिंता जताने वाला व्यापारी मिलावट के जरिए दूसरों की सेहत से खिलवाड़ कर सकता है। ईमानदारी की दुहाई देने वाला अपने सच के लिए नियम तोड़ने में संकोच नहीं करता। मंच से नारी-सम्मान की बातें करने वाले समाज में ही महिलाओं के अधिकारों का हनन होता है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले कभी-कभी अपने काम के लिए उसी व्यवस्था में अंगुष्ठ रास्ता तलाशने लगते हैं, जिसकी बुराईयों पर वे सवाल खड़े करते हैं। यही वह दोहरापन है, जो विजयादशमी के संदेश को हमारे सामने और अधिक प्रसांगिक बना देता है। बुराई हमेशा किसी बड़े अपराध या बड़े षड्यंत्र के रूप में ही सामने नहीं आती। वह छोटी-छोटी बेईमानियों, सुविधानुसार बदले जाने

वाले सिद्धांतों, दूसरे के अधिकारों की अनदेखी और अपने दोषों पर पदों डालने की आदत में भी छिपी होती है। जगह हम अपने लिए नियमों में छूट चाहते हैं और दूसरों से आदर्श आचरण की अपेक्षा करते हैं, तब हमारे भीतर का रावण सिर उठाने लगता है। दहेज की मांग, महिलाओं के प्रति हिंसा, कमजोरों का शोषण, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, रिश्ततखोरी, सामाजिक भेदभाव और नफरत की भाषा—ये सब किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना की परीक्षा लेते हैं। रावण का पुतला जलाने से इन बुराईयों का अंत नहीं होगा। इनके विरुद्ध अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। असली विजय वही होगी, जिसमें हमारा उत्सव हमारे आचरण में भी दिखाई दे।

रावण का अंत उसके अहंकार से हुआ

रावण को केवल दस सिरों वाले एक राक्षस के रूप में देखना उसके चरित्र से मिलने वाली बड़ी सीख को सीमित कर देता होगा। रामकथा की परंपरा में वह प्रकांड विद्वान, शिवभक्त, सामर्थ्यवान शासक और असाधारण प्रतिभा का धनी बताया गया है। उसके पास ज्ञान था, वैभव था, शक्ति थी और अपनी क्षमता पर अपार विश्वास भी। लेकिन जब यही विश्वास अहंकार में बदल गया, जब शक्ति के साथ विवेक और ज्ञान के साथ मयादा का संतुलन टूट गया, तब उसका पतन निश्चित हो गया। रावण का चरित्र हमें बताता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी हमेशा उसकी अज्ञानता नहीं होती। कभी-कभी उसका ज्ञान, उसकी उपलब्धियां और उसकी शक्ति ही उसके भीतर ऐसा अहंकार पैदा कर देती हैं, जो उसे अपनी गलतियां देखने नहीं देता। वह दूसरों को छोटा समझने लगता है, अपनी इच्छा को ही न्याय मान बैठता है और यह भूल जाता है कि सामर्थ्य का अर्थ मनमानी करने का अधिकार नहीं है। रावण के दस सिरों को प्रतीकात्मक रूप से देखें तो वे मनुष्य के भीतर मौजूद अनेक विकारों की याद दिलाते हैं—काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार और विवेक को ढक लेने वाली दूसरी प्रवृत्तियां। यह व्याख्या हमें एक जरूरी प्रश्न तक ले जाती है: क्या हम अपने भीतर मौजूद इन विकारों को पहचानने और उनसे संघर्ष करने के लिए तैयार हैं? दूसरों की गलतियां गिनाना सरल है। अपने दोषों को स्वीकार करना कठिन। अपनी उपलब्धियों पर गर्व करना स्वाभाविक है, लेकिन उस गर्व को अहंकार बनने से रोकना आत्मनुशासन मांगता है। रावण का दहन इसी आत्मबंधन का अवसर है—कहीं हमारी प्रतिभा में विनम्र बानांने के बजाय दूसरों को कमतर भांंकने का हथियार तो नहीं बन रही? कहीं हमारी शक्ति किसी कमजोर की आवाज दबाने का माध्यम तो नहीं बन रही?

श्रीराम की विजय केवल युद्ध की जीत नहीं

रामकथा में श्रीराम और रावण का संघर्ष दो शक्तिशाली व्यक्तियों के बीच युद्ध भर नहीं है। यह मयादा और अहंकार, न्याय और अन्याय, संयम और मनमानी के बीच संघर्ष के रूप में भी देखा जाता है। श्रीराम की प्रतिष्ठा केवल उनकी युद्धकुशलता के कारण नहीं, बल्कि उनके चरित्र, धैर्य, कर्तव्यबोध और मयादा के कारण है। श्रीराम का आदर्श यह नहीं कि मनुष्य के जीवन में संकट न आए, बल्कि यह कि संकट के समय भी वह अपने मूल्यों से विमुख न हो। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना, अपने दायित्वों को निभाना

शरद की सुनहरी धूप, उत्सव के रंग और आसमान में उठती अग्निशिखाएं... विजयादशमी आते ही रावण के पुतले जल उठते हैं। आतिशबाजी के बीच अर्धम पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का उद्घोष होता है। मगर पुतला राख होते ही एक सवाल फिर सिर उठाता है—रावण हर साल जलता है, फिर हमारे भीतर और समाज में जिंदा कैसे रह जाता है? विडंबना देखिए! स्वच्छता का संदेश देने वाला अपने घर का कूड़ा पड़ोसी के दरवाजे पर डाल देता है। महंगाई पर चिंता जताने वाला मिलावट से गुरेज नहीं करता। ईमानदारी की दुहाई देने वाला अपने स्वार्थ के लिए नियम तोड़ता है। ज्ञान-सम्मान की बातें करने वाले ही कई बार उसके अधिकारों को कुचलते हैं। आखिर ये कैसी विजय है, जिसमें बुराई के पुतले तो जलते हैं, लेकिन बुराईयों को पालने वाली मानसिकता सुरक्षित बच निकलती है? रावण का व्यक्तित्व भी एक गहरी सीख देता है। वह प्रकांड विद्वान, शिवभक्त और अपार सामर्थ्य का स्वामी था, लेकिन अहंकार ने उसके विवेक को परास्त कर दिया। ज्ञान था, शक्ति थी, वैभव था, मगर मयादा के उल्लंघन ने सब कुछ मिट्टी में मिला दिया। यही रावण के पतन का मर्म है—प्रतिभा मनुष्य को महान बना सकती है, लेकिन चरित्र ही उसे पतन से बचाता है। भगवान श्रीराम की विजय केवल एक योद्धा की दूसरे योद्धा पर जीत नहीं, बल्कि मयादा, न्याय और आत्मबल की प्रतिष्ठा है।

सहयोगियों के प्रति विश्वास रखना और शक्ति का उपयोग न्याय के पक्ष में करना—ये ऐसे गुण हैं, जो रामकथा को समय की सीमाओं से परे ले जाते हैं। राम की विजय का संदेश यह भी है कि किसी संघर्ष में केवल बाहरी साधन निर्णायक नहीं होते। व्यक्ति के भीतर का संकल्प, उसके निर्णयों की नैतिकता और कठिन समय में उसके चरित्र की दृढ़ता भी उसी ही महत्वपूर्ण होती है। रावण के पास विशाल सामर्थ्य था, लेकिन वह अपने अहंकार पर विजय नहीं पा सका। श्रीराम का चरित्र इसके विपरीत मयादा और आत्मसंयम की प्रतिष्ठा करता है। आज के जीवन में इस संदेश का अर्थ किसी एक प्रसंग तक सीमित नहीं है। परिवार में रिश्तों को निभाना हो, कार्यस्थल पर ईमानदारी बनाए रखनी हो, सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही स्वीकार करनी हो या समाज में कमजोर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करनी हो—हर जगह व्यक्ति के सामने अपने स्वार्थ और अपने कर्तव्य के बीच चुनाव का अवसर आता है। यही उसका वास्तविक युद्ध है।

विजयादशमी : भीतर की सफाई का पर्व

विजयादशमी का पर्व आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी को मनाया जाता है। नवरात्र के नौ दिनों की साधना और उत्सव के बाद आने वाला यह दिन विजय, नई शुरूआत और शुभ संकल्प का प्रतीक माना जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस अवसर की परंपराएं भिन्न हो सकती हैं, लेकिन इनके केंद्र में बुराई पर अच्छाई की जीत और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन

की कामना का भाव दिखाई देता है। नवरात्र में देवी के विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। विजयादशमी के साथ जुड़ी राम-रावण की परंपरा भी इसी व्यापक सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा है। जहां एक ओर दुर्गा पूजा की परंपरा में देवी की महिषासुर पर विजय का उत्सव मनाया जाता है, वहीं रामलीला और रावण दहन में श्रीराम की विजय को जीवंत किया जाता है। इन कथाओं के धार्मिक और सांस्कृतिक अर्थ अलग-अलग स्तरों पर समझे जाते हैं, लेकिन दोनों में अन्याय और अहंकार के सामने संघर्ष, साहस और विजय का संदेश प्रमुख है। यदि नवरात्र आत्मशक्ति के जागरण का अवसर है, तो

विजयादशमी उस शक्ति को आचरण में उतारने का संकल्प बन सकती है। नौ दिनों तक पूजा-अर्चना करने के बाद यदि मन में द्वेष बना रहे, दूसरों के प्रति व्यवहार में कठोरता बनी रहे और जीवन में छल-कपट का स्थान बना रहे, तो आत्मशुद्धि की प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। पूजा का अर्थ केवल दीप जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर संवेदना और विवेक का प्रकाश जगाना भी है। मन की सफाई किसी एक दिन का काम नहीं। इसके लिए रोज अपने व्यवहार की समीक्षा करनी पड़ती है। क्या हमने किसी का अपमान किया? क्या किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते थे, लेकिन अनदेखी कर दी? क्या अपने लाभ के लिए किसी दूसरे का नुकसान किया? क्या अपनी गलती मानने के बजाय दोष किसी और पर डाल दिया? ऐसे सवालों का ईमानदार जवाब ही अंतर्मन के अंधकार को पहचानने की शुरूआत है।

उत्सव की असली शक्ति सामाजिक एकता

विजयादशमी केवल धार्मिक आस्था का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल और सामूहिक सहभागिता की भी पर्व है। रामलीला, दुर्गा पूजा के पंडाल, मेले और शोभायात्राएं अनेक लोगों के सहयोग से आकार लेते हैं। कहीं कलाकार मंच सजाते हैं, कहीं कारीगर प्रतिमाएं और पुतले बनाते हैं, कहीं स्थानीय समितियां व्यवस्था संधालती हैं और कहीं आम नागरिक आयोजन की सफलता के लिए श्रमदान करते हैं। ऐसे आयोजनों में अनेक बार विभिन्न समुदायों के लोग भी अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। रामलीला की

तैयारी में, पंडालों की सजावट हो या मेले की व्यवस्था—स्थानीय स्तर पर सहयोग की ये मिसालें याद दिलाती हैं कि सामाजिक जीवन की बुनियाद आपसी विश्वास और सहभागिता से मजबूत होती है। किसी उत्सव का वास्तविक गरिमा तभी बढ़ती है, जब वह लोगों को जोड़ने का माध्यम बने, न कि उनके बीच दूरी बढ़ाने का। आज जब सार्वजनिक संवाद में कटुता और मतभेद कई बार रिश्तों पर हावी हो जाते हैं, तब ऐसे पर्व हमें साझा सांस्कृतिक जीवन की ताकत पहचानने का अवसर देते हैं। एक-दूसरे की आस्था का सम्मान, सार्वजनिक स्थानों पर जिम्मेदार व्यवहार, जरूरतमंदों के प्रति

संवेदनशीलता और मतभेद के बावजूद संवाद बनाए रखना—ये भी उस विजय के रूप हैं, जिसकी कामना दशहरा करता है। उत्सव का आनंद तभी पूर्ण होता है, जब उसकी रीशनी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। यदि मेले में खुशियां हों, लेकिन आसपास कोई भूखा हो; यदि मंच से सदाचार की बातें हों, लेकिन व्यवहार में भेदभाव हो; यदि पुतले जलें, लेकिन मन में नफरत की आग सुलगती रहे, तो उत्सव के संदेश पर फिर विचार करना जरूरी हो जाता है।

अपने भीतर के रावण से कैसे लड़ें?

अंतर्मन का रावण किसी एक दिन में समाप्त नहीं होता। उसे पहचानने के लिए आत्मबंधन और बदलने के लिए निरंतर प्रयास चाहिए। इसकी शुरूआत बहुत छोटे कदमों से हो सकती है। घर और आसपास सफाई रखना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, किसी भी तरह की मिलावट और बेईमानी से दूर रहना, महिलाओं के सम्मान और अधिकारों का व्यवहार में पालन करना, अपने काम में ईमानदार रहना और गलती पर उभरने से स्वीकार करना—ये साधारण दिखने वाले काम ही बड़े सामाजिक बदलाव की नींव रखते हैं। अपने स्वार्थ पर नियंत्रण रखना भी उसी ही जरूरी है। हर बहस, जीवन आकर्षक नहीं, हर असहमति को शत्रुता में बदलना उचित नहीं और हर सफलता को श्रेय अकेले लेना न्यायसंगत नहीं। विनमता कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी सीमाओं को पहचानने की शक्ति है। क्षमा का अर्थ अन्याय को

स्वीकार करना नहीं, बल्कि प्रतिशोध की भावना से ऊपर उठकर विवेकपूर्ण रास्ता चुनना है। सबसे महत्वपूर्ण है—दूसरों को बदलने की अपेक्षा करने से पहले स्वयं में बदलाव की शुरूआत करना। इसका अर्थ यह नहीं कि सामाजिक बुराईयों, अन्याय या भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना छोड़ दिया जाए। बल्कि व्यक्तिगत आचरण की ईमानदारी ही सार्वजनिक विरोध को विश्वसनीय बनाती है। जो व्यक्ति अपने जीवन में नैतिकता का पालन करने की कोशिश करता है, उसकी आवाज में स्वाभाविक दृढ़ता होती है। रावण दहन का दृश्य हमें हर साल एक अवसर देता है। हम चाहें तो उसे केवल आतिशबाजी और मनोरंजन का क्षण मानकर भूल सकते हैं, या फिर उस अंगन को आत्ममंथन का प्रतीक मान सकते हैं। पुतले की लपटें कुछ ही देर में बुझ जाती हैं, लेकिन उनसे उठने वाला सवाल हमारे साथ रहना चाहिए—क्या हमने इस साल अपने किसी अहंकार, किसी लालच, किसी पूर्वाग्रह या किसी गलत आदत को छोड़ने का संकल्प लिया?

असली दशहरा उस दिन होगा... विजयादशमी का संदेश किसी दूसरे को पराजित करने से अधिक स्वयं पर विजय पाने में छिपा है। बाहर के रावण का आकार कितना भी बड़ा हो, उसे जलाने में कुछ क्षण लगते हैं। भीतर के रावण का सामना करने में जीवन लग सकता है। वहां कोई ईमानदारी नहीं, कोई दर्शन नहीं और कोई आतिशबाजी नहीं होती। वहां केवल मनुष्य और उसका विवेक आमने-सामने होते हैं। इसलिए इस दशहरा पर संकल्प केवल इतना न हो कि रावण का पुतला जलेगा। संकल्प यह भी हो कि अहंकार की जगह विनम्र

महाराष्ट्र के राज्यपाल जेडी वर्मा से मिले डॉ. योगेश दुबे, सामाजिक मुद्दों पर की चर्चा



मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता डॉ योगेश दुबे ने आज महाराष्ट्र के राज्यपाल जेडी वर्मा से राज भवन स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल को पुष्प गुच्छ देकर उनका सम्मान किया। इसके बाद दोनों लोगों के बीच काफी देर तक विभिन्न मुद्दों पर बातचीत हुई। डॉ योगेश दुबे ने सूखाग्रस्त महाराष्ट्र में किसानों की समस्याओं से जुड़ी अनेक बातों पर उनसे चर्चा की। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र के विकास कार्यों को लेकर भी राज्यपाल से चर्चा की। डॉ दुबे ने दिव्यांगजनों और युवाओं से जुड़े आगामी कार्यक्रम के लिए उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। राज्यपाल ने उनके सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी।

भगवान पाटील एयर कॉर्पोरेशन एम्लॉइज को-ऑपरेटिव बैंक के सीईओ नियुक्त



मुंबई। एयर कॉर्पोरेशन एम्लॉइज को-ऑपरेटिव बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद पर भगवान पाटील की नियुक्ति की गई है। बैंकिंग क्षेत्र में 23 वर्षों का अनुभव, विविध शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यताओं तथा सहकारी बैंकिंग क्षेत्र में व्यापक कार्यानुभव को देखते हुए उनकी नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैंक के अध्यक्ष राजेश भागवत और उपाध्यक्ष निलेश लांजेकर ने भगवान पाटील का स्वागत किया। इस अवसर पर संचालक उमेश सानप, ऋषिकेश बांडुकर, शाम खवटे, संदीप जाधव, संदीप मोरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कर्मचारी प्रतिनिधि राजेंद्र पारकर, श्रीमती सुचिता म्हात्रे और वरिष्ठ प्रबंधक श्रीमती वर्षा पटेल भी इस अवसर पर मौजूद थीं। बता दें कि भगवान पाटील ने बी.ई. (केमिकल), एम.एम.एस. (फाइनेंस), एल.एल.एम., सीएआईआईबी (CAIIB) और जीडीसीए (GDCA) जैसी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यताएं हासिल की हैं। उन्हें बैंकिंग प्रशासन, ऋण प्रबंधन, ऋण वसूली, कानूनी मामलों, नियामक अनुपालन और जॉखिम प्रबंधन सहित बैंकिंग के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों का गहरा अनुभव है। सीईओ पद की जिम्मेदारी संभालने से पहले पाटील मुंबई स्थित म्युनिसिपल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में उपमहाप्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने बैंक के प्रशासनिक, ऋण संबंधी, कानूनी और अनुपालन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन किया। एयर कॉर्पोरेशन एम्लॉइज को-ऑपरेटिव बैंक की मुंबई में वर्तमान में चार शाखाएं कार्यरत हैं। यह बैंक मुख्य रूप से वेतनभोगी कर्मचारियों की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेवाएं प्रदान करता है।

अनुराग त्रिपाठी पत्राचार्य बाबुराव पराड़कर पुरस्कार से सम्मानित



मुंबई। अखिल भारतीय मराठी पत्रकार परिषद की ओर से मुंबई में आयोजित पुरस्कार समारोह में वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी की हिंदी पत्रकारिता में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित पत्रकार्य बाबुराव पराड़कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यशवंतराव चव्हाण सेंटर में आयोजित समारोह में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पक्षप्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और परिषद के मुख्य विश्वस्त एम. एम. देशमुख के हाथों ये सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। हेमंत देसाई को परिषद के बालशास्त्री जॉर्जेकर जीवन गौरव सम्मान से नवाजा गया। प्रशांत कदम, सचिन परब, अमय देशपांडे, सुशी जाधववी मुले, संतोष आंधळे, महेश तिवारी, अविनाश महाडळकर, सुनील पाटील और बाबुसाहेब जाधव सम्मानित होने वाली हस्तियों में शामिल थे। कार्यक्रम में युवाक्रांति शाहीरी जलसा की सांस्कृतिक प्रस्तुति भी आयोजित की गई।

भिवंडी में दो 21 वर्षीय युवतियां लापता, अपहरण के मामले दर्ज

भिवंडी। शहर में नाबालिग लड़कियों के लापता होने की घटनाओं के बीच अब दो 21 वर्षीय युवतियों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। दोनों घटनाओं में परिजनों की शिकायत पर शांतिनगर और नारपोली पुलिस थानों में अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पहली घटना रामनगर पाण्डपलाइन क्षेत्र की है। यहां रहने वाले ऋषिकेश बिंद की 21 वर्षीय बेटी 15 अक्टूबर को सुबह करीब 8:30 बजे घर में किसी को कुछ बग़ाय बिना निकल गई। काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चलने पर परिजनों ने शांतिनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। दूसरी घटना रेतीबंदर, काल्हेर क्षेत्र की है। यहां रहने वाले निखिल सदानंद पंडित की 21 वर्षीय पत्नी 16 अक्टूबर को घर में किसी को कुछ बताए बिना कहीं चली गई। परिजनों और पति द्वारा तलाश किया जाने के बावजूद उसका कोई सुगम नहीं मिला। इसके बाद पति की शिकायत पर नारपोली पुलिस थाने में अपहरण का मामला दर्ज किया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने शिकायतों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। लापता युवतियों की तलाश की जा रही है।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

-आदेश मिश्र
मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति, पार्क साइट, विक्रोली, मुंबई द्वारा आयोजित 60वें साल रामलीला महोत्सव के आठवें दिन सीता हरण, जटायु मोक्ष, अशोक वाटिका, लंका दहन एवं विशालकाय बाहुबली हनुमान जी की भव्य झांकी का मंचन अत्यंत भव्य, भावपूर्ण एवं रोमांचक वातावरण में संपन्न हुआ।
रामलीला मंचन में पवनपुत्र हनुमान जी द्वारा माता सीता की खोज, अशोक वाटिका में माता जानकी के दर्शन तथा अशोक वाटिका उजाड़ने के प्रसंग का अद्भुत एवं प्रभावशाली मंचन किया गया। हनुमान जी के अदम्य साहस, पराक्रम और प्रभु

प्रताप सरनार्इक फाउंडेशन के नवरात्रोत्सव में मंत्री के हाथों पत्रकारों का सम्मान

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का गौरव, पत्रकार समाज की आवाज को जनता तक पहुंचाने में निभाते हैं अहम भूमिका

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। प्रताप सरनार्इक फाउंडेशन की ओर से आयोजित जीएम नवरात्रोत्सव के अंतर्गत 18 अक्टूबर 2026 को पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पत्रकारों को सम्मानित कर उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। समारोह के दौरान पत्रकारों से संवाद किया गया तथा समाज के प्रति उनका योगदान की सराहना की गई। पत्रकार समाज में होने वाली विभिन्न



घटनाओं, जनसमस्याओं और महत्वपूर्ण मुद्दों को समाचारों के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पत्रकारिता की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हुए पत्रकारों के कार्यों का गौरव किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञ व्यक्त की गई। साथ ही, भविष्य में भी निष्पक्ष एवं जिम्मेदार पत्रकारिता के माध्यम से जनहित में कार्य करते रहने के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस आयोजन के माध्यम से समाज

और मीडिया के बीच संवाद तथा आपसी सहयोग को भी महत्व दिया गया। मां जगदंबा की आरती में शामिल हुए पत्रकार, लिया आशीर्वाद जीएम नवरात्रोत्सव के दौरान सम्मान समारोह के साथ धार्मिक आस्था का भी विशेष माहौल देखने को मिला। उपस्थित पत्रकारों ने मां जगदंबा की आरती में भाग लिया और माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यह नवरात्रोत्सव मीरा रोड पूर्व स्थित बेवर्ली पार्क के नामदार गोखले मैदान में आर.बी.के. स्कूल के समीप

विप्र फाउंडेशन परिवार ने किये मां कालरात्रि के दर्शन



पालघर(उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रि के सप्तम दिवस पर शनिवार को विप्र फाउंडेशन, बोईसर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर (डीजे वाड़ी) स्थित सार्वजनिक नवरात्रि उत्सव मंडल में पहुंचकर मां कालरात्रि के दर्शन किये। इस अवसर पर फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महाआरती में भाग लेकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस धार्मिक आयोजन में विप्र फाउंडेशन प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकान्त पांडेय व वरिष्ठ सभासद रामभुवन त्रिपाठी सहित फाउंडेशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की आराधना की और क्षेत्र में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सार्वजनिक नवरात्रि उत्सव मंडल के प्रमुख राकेश पांडेय व संदीप जोशी ने अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। उन्होंने सभी जनों को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित करते हुए माता रानी का प्रसाद प्रदान किया।

श्री दुर्गा मंदिर मान धाम में भव्य नवरात्रोत्सव एवं नवचंडी महायज्ञ जारी, माता के दरबार में उमड़ रहे श्रद्धालु

-अजीत सिंह
पालघर(उत्तरशक्ति)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर बोईसर पूर्व स्थित मान-महागांव लिंक रोड, नवापाड़ा, मान के मनोकामनापूर्ति श्री दुर्गा मंदिर, मान धाम परिसर में जय अम्बे चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 11 अक्टूबर से भव्य नवरात्रोत्सव एवं नवचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। पीठाधीश्वर संतश्री गुरुजी के सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक महोत्सव में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ दुर्गा सप्तशती पाठ, भजन-कीर्तन, महाआरती इत्यादि जैसे कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं।
नवरात्रोत्सव के दौरान माता भगवती के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंच रहे हैं। पीठाधीश्वर संतश्री गुरुजी के सानिध्य में भक्तगण धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर आध्यात्मिक शांति एवं मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। सोमवार 19 अक्टूबर को डॉ. मनीष श्रीवास्तव, रवि सिंह, पत्रकार मृत्युंजय पाण्डेय व अजीत सिंह सहित अनेक श्रद्धालुओं ने माता रानी के दरबार में पहुंचकर दर्शन किये और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पीठाधीश्वर संतश्री गुरुजी ने सभी श्रद्धालुओं को माता रानी का प्रसाद प्रदान कर आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर एडवोकेट अमित मिश्र ने जनकारी देते हुए बताया कि मंगलवार 20 अक्टूबर को मंदिर परिसर में महाहवन, महाआरती एवं महाभंडारे का आयोजन किया

जायेगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर माता रानी के दर्शन करने तथा इस पावन धार्मिक आयोजन में सहभागी बनकर पुष्प लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

सीखने और नए अवसरों को अपनाने की इसी सोच के साथ उन्होंने Century Digital की स्थापना की। यह कंपनी वेबसाइट डेवलपमेंट, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग व ग्राफिक्स, UI/UX डिजाइन, ऑटोमेशन और आईटी सपोर्ट जैसी सेवाओं से व्यवसायों को ऑनलाइन प्रोम में मदद करती है।

ग्लोबल अनुभव
राधेश्याम प्रजापति ने जर्मनी और



यूएई की अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं और भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट्स के साथ काम किया। इससे उन्हें अलग-अलग बाजारों, संस्कृतियों और व्यावसायिक ज़रूरतों को समझने का अवसर मिला। उनका मानना ​​है कि अच्छी टेक्नोलॉजी और सही रणनीति की ज़रूरत हर देश के व्यवसाय को होती है।

प्रजापति बिजनेस मीट-2026 में सहभागिता

हाल ही में मुंबई में आयोजित प्रजापति बिजनेस मीट-2026 में राधेश्याम प्रजापति ने Century Digital और Bhushan Art पर प्रस्तुति दी। उन्होंने उद्यमियों



और व्यवसायियों के बीच बताया कि डिजिटल टेक्नोलॉजी, एआई और ऑटोमेशन छोटे और मध्यम व्यवसायों की ग्रोथ में कैसे मददगार हो सकते हैं। उनके अनुसार ऐसे मंच नए विचारों के आदान-प्रदान और व्यावसायिक सहयोग के नए रास्ते खोलते हैं।

पिता की कला से शुरू हुई पहल राधेश्याम के पिता भूषण प्रजापति चित्रकार हैं। उन्होंने देखा कि कई प्रतिभाशाली कलाकारों के पास बेहतरीन कला होने के बावजूद उसे सही दर्शकों और बाजार तक पहुंचाने का मंच नहीं होता। इसी सोच से Bhushan Art की शुरूआत हुई। यह प्लेटफॉर्म

पी.आर. पूर्व प्राथमिक स्कूल में मनाया गया दादा-दादी पूजन दिवस



दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों ने अपने बुजुर्गों का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। नवरात्रि के दौरान आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में सरस्वती पूजन के साथ दादा-दादी एवं नाना-नानी के सम्मान का आयोजन किया गया। स्कूल में विद्यार्थियों के साथ पहुंचे बुजुर्गों का प्रधानाध्यापिका अनिता सुतार ने पारंपरिक तरीके से औक्षण कर स्वागत किया। इसके बाद नन्हे विद्यार्थियों ने अपने दादा-दादी एवं नाना-नानी का औक्षण कर उन्हें तिलक लगाया और आरती उतारकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भावपूर्ण आयोजन से विद्यालय परिसर में उत्साह और आत्मीयता का माहौल बन गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों और बुजुर्गों ने विभिन्न खेलों में भाग लेकर आनंदोत्सव मनाया। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विद्यालय की शिक्षिकाओं और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने विशेष मेहनत की। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, प्रेम और पारिवारिक संस्कारों की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के मद्देनजर मीरा-भायंदर में यातायात मार्गों में बदलाव



से दुर्गा प्रतिमा विसर्जन की प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी। पुलिस ने नागरिकों, वाहन चालकों और विसर्जन में शामिल होने वाले मंडलों से निर्धारित मार्गों का पालन करने की अपील की है। गोल्डन नेस्ट से जैसल पार्क चौपाटी तक जाने का मार्ग निर्धारित भायंदर पूर्व के जैसल पार्क चौपाटी पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के

लिए आने वाले वाहनों हेतु अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। गोल्डन नेस्ट से निकलने वाले सभी प्रकार के विसर्जन वाहन नवघर फाटक (महाराणा प्रताप चौक) तक पहुंचेंगे। बड़े वाहनों का मार्ग: नवघर फाटक से दाईं ओर मुड़कर घोड़बंदर नाका और बी.पी. रोड होते हुए भायंदर पूर्व रेलवे स्टेशन के

समीप स्थित सड़क से जैसल पार्क चौपाटी तक पहुंचना होगा। छोटे वाहनों का मार्ग: छोटा हाथी, छोटे टेम्पो, ऑटो रिक्शा, कार और पिकअप जैसे वाहनों को फाटक रोड चौक से केबिन रोड होते हुए भायंदर पूर्व रेलवे स्टेशन तक जाना होगा। वहां से निर्धारित मार्ग के जरिए जैसल पार्क चौपाटी पहुंच सकते हैं।

- रंजना रोड: खारीगांव नाका से जैसल पार्क चौपाटी तक।

- सी.पी. रोड: घोड़बंदर नाका से खारीगांव नाका तक।

वाहन चालकों को इन मार्गों पर यातायात पुलिस के निर्देशों के अनुसार ही आवागमन करना होगा। विसर्जन के बाद खाली वाहनों के लिए अलग वापसी मार्ग जैसल पार्क चौपाटी पर प्रतिमा विसर्जन पूरा होने के बाद लौटने वाले खाली वाहनों के लिए भी अलग मार्ग निर्धारित किया गया है। ये वाहन जैसल पार्क चौपाटी से कोलीवाड़ा होते हुए आ.एन.पी. पार्क पहुंचेंगे। इसके बाद काशी विश्वनाथ मंदिर और एस.वी. रोड होते हुए हाईवे की दिशा में आगे बढ़ेंगे। आगे नवघर रोड से नचघर नाका, फिर विमल डेयरी से बाईं ओर मुड़कर इंदरौली नाका होते हुए गोल्डन नेस्ट तक पहुंचने की व्यवस्था की गई है। इस वापसी मार्ग पर भी विभिन्न हिस्सों में एकतरफा यातायात लागू रहेगा। संबंधित मार्गों पर वाहन चालकों को निर्धारित दिशा का पालन करना होगा।

छोटे शहर से ग्लोबल मंच तक: राधेश्याम प्रजापति ने टेक्नोलॉजी और उद्यमिता से बनाई अलग पहचान

कलाकारों को आर्टिस्ट मार्केटप्लेस, प्रोफाइल, डिजिटल मार्केटिंग, खरीदारों तक पहुंच और पैकेजिंग-लॉजिस्टिक्स सहयोग जैसे अवसर उपलब्ध कराता है।

राधेश्याम कहते हैं,

मैंने Bhushan Art इसलिए बनाया क्योंकि मैंने अपने पिता की प्रतिभा को अनदेखा रहते देखा। आज मैं ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहा हूं, जहां कलाकार सही दर्शकों तक पहुंच सकें और अपनी रचनात्मकता पर ध्यान दे सकें।

अगला लक्ष्य

अगले चरण में उनका फोकस टेक्नोलॉजी, एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को छोटे और मध्यम व्यवसायों तक पहुंचाने पर है। उनका मानना ​​है कि छोटे व्यवसाय प्रसाद प्रदान करने में मददगार हो सकते हैं। टेक्नोलॉजी का असली फायदा तब है, जब वह किसी व्यक्ति या बिजनेस के लिए नई अपॉर्चुनिटी पैदा करे। युवाओं के लिए संदेश

उनकी कहानी बताती है कि बड़े सपनों के लिए बड़ा शहर या अग्रणी माध्यम जरूरी नहीं। सीखने की लगन, मेहनत और सही दिशा से कोई भी पहचान बना सकता है। वे युवाओं को सलाह देते हैं:

* सीखना कभी बंद न करें

* टेक्नोलॉजी को अपना साथी बनाएं

* अपनी जड़ों से जुड़े रहें

मेरी सफलता सिर्फ मेरी ग्रोथ नहीं है। अगर मेरे नॉलेज, टेक्नोलॉजी और अनुभव से किसी दूसरे बिजनेस या व्यक्ति को आगे बढ़ने में मदद मिलती है, तो वही मेरे लिए वास्तविक सफलता है।

राधेश्याम प्रजापति के बारे में

राधेश्याम प्रजापति एक उद्यमी, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोफेशनल और Century Digital तथा Bhushan Art के संस्थापक हैं। उनकी यात्रा में सॉफ्टवेयर, वेब डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, टेक्नोलॉजी और उद्यमिता शामिल हैं।

अधिक जानकारी: www.centurydigital.in / www.bhushanart.com

पार्कसाइट के रामलीला में भव्य मंचन, बाहुबली हनुमान जी की विराट झांकी ने मोहा मन



कांग्रेस प्रवक्ता चरण सिंह सग्रा,विक्रोली जॉन एसीपी प्राची मैडम,वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पार्क साइट सचिन सावंत, नगरसेवक

प्रवीण छेड़ा,पूर्व नगरसेवक विनोद मिश्रा,ईशान्य मुंबई जिला कांग्रेस अध्यक्ष केतन शाह,भाजपा नेता जयप्रकाश सिंह, दयाशंकर

सिंह,वरिष्ठ कांग्रेस नेता संदीप शुक्ला तथा कांग्रेस नेता रामगोविंद यादव, वरिष्ठ पत्रकार परमिंदर पांडेय आशीष तिवारी,संध्या पाठक, जयप्रकाश यादव, उमेश चौहान, जंगमहादुर यादव, प्रमोद यादव, बाढ़ू भाई,एड शिव पासी, प्रदीप गुप्ता, प्रभाकर भाई, नासिर भाई, ज्योति डेगे, अनिल यादव, वकील यादव, मनोज राजभर श्री बृजेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष एवं उनकी पूरी टीम द्वारा सभी अतिथियों का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

रामलीला के इस भव्य मंचन को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक उपस्थित रहे दर्शकों ने

कलाकारों के उत्कृष्ट अभिनय, आकर्षक प्रस्तुतियों तथा समिति द्वारा किए गए सुव्यवस्थित आयोजन की जमकर सराहना की। श्री रामलीला उत्सव समिति ने इस आयोजन के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, भक्ति, धर्म और सत्य के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया। समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, शारदा प्रसाद शुक्ला, दिवाकर मिश्रा, एस पी सिंह,रामबिलास पाठक, दलजीत पांडेय, बाबुलनाथ

शुक्ला, अजय पांडेय, अरविंद को शुक्ल, दिनेश सिंह, अवधेश तिवारी,प्रशांत शुक्ल, प्रमुख राहुल शुक्ल, ब्रह्मदेव दुबे, एड पंकज मिश्रा, संदीप दुबे,नीरज शुक्ला,अनिलेश मिश्रा, चंद्रमणि सिंह, शुभम सिंह, अशोक गुप्ता, कोशल मिश्रा, राजेश पांडेय, राकेश दुबे, हीरा यादव, रमापति यादव,तपस्वी चौरसिया, रामनीथ शर्मा,घनश्याम पाठक, सचिन शुक्ल, दिनेश बी सिंह, प्रिंस जैन,विजयधर गुप्ता, प्रेम तिवारी, पुष्कर, प्रथम,प्रत्युष शुक्ल सहित समस्त कार्यकारिणी के लोग आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

घर से महज 50 कदम दूर युवक की पीठ में मारा चाकू, बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर

प्रियेश गुप्ता रुद्रा
जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के तुलसीपुर मगरा गांव में अज्ञात हमलावरों ने 30 वर्षीय युवक की पीठ में चाकू मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घायल युवक को जिला अस्पताल जौनपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, वाराणसी रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, घायल युवक की पहचान विनोद पटेल (30), पुत्र रामजीत, निवासी तुलसीपुर मगरा गांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक अपने घर से निकला था। इसी दौरान घर से महज करीब 50 कदम की दूरी पर अज्ञात लोगों ने उस पर चाकू से



हमला कर दिया। चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

बरसठी के तुलसीपुर मगरा गांव में वारदात से मचा हड़कंप, अज्ञात हमलावरों की तलाश और हमले की वजह स्पष्ट नहीं

घटना के बाद घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। हमले की वजह पर सस्पेंस युवक पर हमला किसने और क्यों किया, फिलहाल इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। हमलावरों की पहचान और वारदात के पीछे की वजह को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। घर के पास हुई इस घटना से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। अब सभी की नजर पुलिस की जांच और हमले के कारणों का पता लगाने पर टिकी है।

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित संदीप यादव गिरफ्तार, पिस्टल बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना पुलिस ने अवैध पिस्टल से फायरिंग कर हत्या के प्रयास के मामले में वांछित अभियुक्त संदीप यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से .32 बोर की एक अवैध पिस्टल और दो मैगजीन बरामद करने का दावा किया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 2 अक्टूबर

2026 को मझगवां खुर्द निवासी विनोद कुमार दुबे की तहरीर पर संदीप यादव पुत्र अशोक यादव **जलालपुर पुलिस की कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे**

निवासी नेवादा, थाना जलालपुर और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

इसी मामले में पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। पुलिस विज्ञप्ति के मुताबिक, गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ जलालपुर थाने में वर्ष 2020 से 2026 तक विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मारपीट, धमकी, चोरी, आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट से संबंधित मामले शामिल हैं।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने फीता काटकर किया 'GYM चंद्रा' का शुभारंभ

आधुनिक मशीनों और सुविधाओं से लैस जिम से युवाओं को मिलेगी फिटनेस की सौगात

अरशद अली
मखलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्बे के सादिकगंज उत्तरी में 'GYM चंद्रा' का भव्य उद्घाटन पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने जिम में उपलब्ध आधुनिक मशीनों और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए स्वस्थ और फिट रहना बेहद जरूरी है। यह जिम क्षेत्र के युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



जिम के प्रोपराइटर दिनेश और राजेश ने मुख्य अतिथि धनंजय सिंह को बुके एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। संचालकों ने बताया कि जिम में आधुनिक कार्डियो एवं स्ट्रेंथ मशीनों के साथ प्रशिक्षित ट्रेनर और बेहतर वातावरण की व्यवस्था की गई है, ताकि क्षेत्र के युवाओं को फिटनेस के लिए दूर न जाना पड़े। इस दौरान उपस्थित लोगों ने नए जिम की शुरुआत पर खुशी जताई और इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए उपयोगी पहल बताया।

शाहगंज यूनिट के अध्यक्ष नामित हुए इम्तियाज अहमद नदवी

पयाम-ए-इंसानियत की बैठक में मानवता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने पर जोर

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऑल इंडिया पयाम-ए-इंसानियत की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को शाहगंज में मुफ्ती अबू हुरैरा नदवी के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में संगठन के कार्यालय से आए मौलाना अरशद नदवी और मौलाना नजमुस्साकिब नदवी गाजीपुरी ने शिरकत की। बैठक के दौरान इम्तियाज अहमद नदवी को शाहगंज यूनिट का अध्यक्ष नामित किया गया। वहीं मुफ्ती अबू हुरैरा नदवी, यासिर नदवी, मौलाना आसिफ नदवी और

मुफ्ती अबूजर कासमी को यूनिट का सदस्य नामित किया गया। बैठक में ऑल इंडिया पयाम-ए-इंसानियत के उद्देश्यों और मौजूदा दौर में इसकी प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज में प्रेम, भाईचारा, आपसी सम्मान और सेवा-भाव को बढ़ावा देना आज के समय की महत्वपूर्ण जरूरत है। ऑल इंडिया पयाम-ए-इंसानियत की विचारधारा मौलाना अबुल हसन अली हसनी नदवी (अली मियां नदवी) के पैगाम-ए-इंसानियत से



जुड़ी है। संगठन का मूल उद्देश्य ईंसानों के बीच प्रेम, सहानुभूति, शांति, सद्भाव और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। यह आंदोलन

लोगों को धार्मिक, सामाजिक और अन्य मतभेदों से ऊपर उठकर एक-दूसरे के जसूस सद्भावपूर्ण व्यवहार करने, सत्तरतमर्दों की मदद करने और समाज में भलाई एवं मानवता का वातावरण पैदा करने के लिए प्रेरित करता है। बैठक में कहा गया कि मौजूदा दौर में जब समाज के विभिन्न वर्गों के बीच गलतफहमियां और दूरियां पैदा होने की आशंका बनी रहती है, ऐसे समय में मानवता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश जन-जन तक पहुंचाना और भी जरूरी हो

गया है। वक्ताओं ने समाज में शांति एवं सौहार्द कायम करने, मानवीय मूल्यों की रक्षा तथा सेवा-ए-खल्क के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। शाहगंज यूनिट के गठन को इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। उम्मीद जताई गई कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष इम्तियाज अहमद नदवी और अन्य सदस्य संगठन के उद्देश्यों को आम लोगों तक पहुंचाने के साथ ही समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

पुष्पवर्षा, भव्य झांकियों और जय श्रीराम के जयघोष के बीच आज निकलेगी विशाल कलश यात्रा

रामभक्ति के रंग में रंगेगा जौनपुर, 21 से 29 अक्टूबर तक बीआरपी कॉलेज में बहेगी श्रीराम कथा की अमृतधारा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धर्म, आस्था और आध्यात्मिक चेतना की पावन धारा जौनपुर एक बार फिर प्रभु श्रीराम की भक्ति में सराबोर होने जा रही है। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के सौजन्य से आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के शुभारंभ से पूर्व मंगलवार, 20 अक्टूबर को नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। पुष्पवर्षा, आकर्षक धार्मिक झांकियों और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष के बीच निकलने वाली इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन के माध्यम से नगर में धार्मिक उल्लास और आध्यात्मिक वातावरण बनाने की तैयारी की गई है। कलश यात्रा मंगलवार की सुबह नौ बजे केरार वीर से प्रारंभ होगी। इसके बाद यात्रा चाहरसू चौराहा, ओलंदगंज, पॉलिटेक्निक चौराहा और वाजिदपुर तिराहा होते हुए बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रांगण स्थित श्रीराम कथा स्थल पर पहुंचकर संपन्न होगी। यात्रा मार्ग पर प्रभु श्रीराम के जयकारों और श्रद्धालुओं की सहभागिता से वातावरण भक्तिमय होने की उम्मीद है। आयोजन को लेकर रामभक्ती में उत्साह है और बड़ी संख्या में लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की गई है। **आकर्षक धार्मिक झांकियां होंगी विशेष आकर्षण:** भव्य कलश यात्रा में अन्य प्रदेशों से आए भक्तजनों की ओर से विभिन्न प्रकार की मनमोहक धार्मिक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। इन

झांकियों के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों, उनके आदर्शों और भारतीय सनातन संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। पुष्पवर्षा और भक्ति गीतों के बीच निकलने वाली यात्रा श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आध्यात्मिक अनुभूति का विशेष अवसर बनेगी।



प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश भी देगा। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में प्रेम, सद्भाव, सेवा, त्याग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे। नौ दिनों तक चलने वाले इस आयोजन से बीआरपी कॉलेज परिसर में आध्यात्मिक और भक्तिमय वातावरण बने रहने की उम्मीद है। **दिवसीय श्रीराम कथा:** कलश यात्रा के अगले

ज्ञान प्रकाश सिंह ने माताओं-बहनों सहित समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की

दिन बुधवार, 21 अक्टूबर से बीआरपी इंटर कॉलेज के प्रांगण में नौ दिवसीय श्रीराम कथा का शुभारंभ होगा, जो 29 अक्टूबर तक प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र, उनकी मयादां

आदर्शों, कर्तव्यनिष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्राप्त होगी। श्रीराम कथा भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में विशेष स्थान रखती है। भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, त्याग, सेवा और पारिवारिक मूल्यों का संदेश देता है। कथा श्रवण के माध्यम से श्रद्धालु इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे। नौ दिनों तक चलने वाले इस आयोजन से बीआरपी कॉलेज परिसर में आध्यात्मिक और भक्तिमय वातावरण बने रहने की उम्मीद है।

ज्ञान प्रकाश सिंह ने माताओं-बहनों से की विशेष अपील: इस धार्मिक आयोजन को लेकर ज्ञान प्रकाश सिंह ने जनपद की समस्त माताओं-बहनों, युवाओं और श्रद्धालुओं से विशेष अपील की है कि वे 20 अक्टूबर को निकलने वाली भव्य कलश यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर प्रभु श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करें। उन्होंने लोगों से 21 से 29 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली श्रीराम कथा में भी सहभागिता निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के साथ ही हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को अमली पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रभु श्रीराम के आदर्श आज भी समाज को मर्यादा, कर्तव्य, सेवा और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। आयोजन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीराम की भक्ति से जोड़ने के साथ समाज में धार्मिक चेतना और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देना है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर कलश यात्रा और श्रीराम कथा को सफल बनाने की अपील की है। आग्रह, प्रभु श्रीराम के जयघोष के साथ इस भव्य धार्मिक आयोजन में सहभागी बनें और जौनपुर की धरती को भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास से सराबोर करें।

शाहगंज में पोखरे में डूबने से तीन वर्षीय मासूम की मौत, परिवार में कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम काशीराम शहरी आवास कॉलोनी के पोछे स्थित पोखरे में डूबने से तीन वर्षीय मासूम की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चा खेलते-खेलते पोखरे की सीढ़ियों तक पहुंच गया, जहां पैर फिसलने से वह पानी में गिर गया। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान पोखरे में मासूम का शव मिलने से परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर क्षेत्राधिकारी प्रीतम वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और आवश्यक कार्रवाई की। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

करैत सर्प ने महिला डसा, सीएचसी दुद्धी में इलाज जारी

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के करहिया गांव निवासी 23 वर्षीय पुनम देवी पत्नी राम परिखा को रविवार दोपहर करीब 12 बजे करैत सर्प ने काट लिया। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी ले आए, जहां इलाज जारी है। परिजनों से मिले जानकारी के अनुसार पुनम देवी अपने कच्चे घर के बाहर दीवार की पुताई कर रही थीं। इसी दौरान छिपे करैत सर्प ने उनके दाएं हाथ में काट लिया। सर्पदंशन से चीखती महिला को आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे। परिजनों ने सूझबूझ दिखाते हुए देर न करते हुए महिला को निजी साधन से सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी पहुंचाया। यहां चिकित्सक डॉ. मनोहर सिंह की देखरेख में उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। चिकित्सक के अनुसार महिला की हालत फिलहाल स्थिर है और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

दुद्धी में विजयादशमी पर 51 फीट ऊंचे रावण पुतले का होगा दहन

जौनपुर के कलाकारों ने तैयार किया आकर्षक पुतला

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विजयादशमी के पावन पर्व पर कस्बे में भव्य आयोजन की तैयारी अंतिम दौर में पहुंच गई है। इस बार स्थानीय रामलीला (टी.सी.डी.) खेल मैदान पर 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। विशालकाय पुतले में विभिन्न प्रकार के पटाखे लगाए गए हैं, जो दहन के समय दर्शकों का मुख्य आकर्षण बनेंगे।



विशालकाय रावण पुतले के निर्माण की जिम्मेदारी जौनपुर से आए विशेष कलाकारों ने संभाली है। कलाकार इकलाख अपनी पत्नी और भांजे हसरतअली के साथ मिलकर पुतले को तैयार करने में जुटे हुए हैं। कलाकारों ने बताया कि उनके अन्य सहयोगी इस समय प्रयागराज में भी रावण पुतलों का निर्माण कर रहे हैं। दुद्धी का काम पूरा होते ही वे वहां भी पहुंचेंगे। स्थानीय श्रीरामलीला कमेटी दुद्धी की देखरेख में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को देखने के लिए कब्जे सहित आवास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। रावण दहन के साथ ही विजयादशमी का उत्सव क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाएगा।

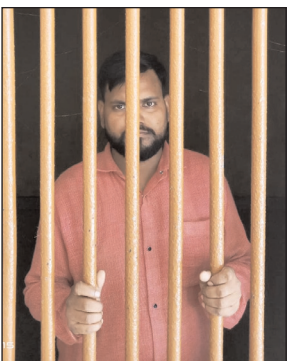
पुरानी रंजिशा में घर में घुसकर महिला की पिटाई, वीडियो वायरल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के चंदवक थाना क्षेत्र के हीरापुर (मचहटी) गांव में पुरानी रंजिशा को लेकर एक महिला को कथित तौर पर उसके घर पर चढ़कर पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक दबंग व्यक्ति ने महिला को लात-घुंसों से पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। हालांकि, घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पुलिस की ओर से मामले में की गई कार्रवाई के संबंध में जानकारी मिलने का इंतजार है।

ठेके में खुद की चोरी, शक से बचने के लिए दो दुकानों के ताले तोड़े

खुटहन में देशी शराब की दुकान का सेल्समैन गिरफ्तार, 75,500 रुपये बरामद

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गभिरन बाजार में देशी शराब के ठेके से रुपये चोरी करने और शक से बचने के लिए दो अन्य दुकानों के ताले तोड़ने के आरोप में पुलिस ने सेल्समैन शिवम वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के 75,500 रुपये बरामद किए हैं।



पुलिस के अनुसार, धमौर गांव निवासी शिवम वर्मा गभिरन बाजार स्थित देशी शराब के ठेके पर सेल्समैन था। आरोप है कि उसने गुरुवार की रात ठेके से बिक्री के 65 हजार रुपये चुरा लिए। इसके बाद खुद पर शक न हो, इसलिए बगल की कपड़े की दुकान से

करने का प्रयास किया। कपड़ा व्यवसायी विशाल मौर्य की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह के मुताबिक, शराब की बिक्री और स्टॉक के रिकॉर्ड की जांच में गड़बड़ी सामने आई। पूछताछ के दौरान सेल्समैन की भूमिका सदिग्ध मिलने पर उसकी तलाश शुरू की गई। शनिवार को पुलिस ने शाहमऊ-पनौली मार्ग से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने पैसों की जरूरत के चलते चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय भेज दिया।

आनंद सेवा संस्थान द्वारा 15 दिव्यांग बच्चों को व्हीलचेयर वितरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सेवा में आनंद की भावना के साथ सराहनीय और प्रेरणादायक कार्य कर रही सामाजिक संस्था आनंद सेवा संस्थान द्वारा आज श्री समरस्थी राजाराम दिव्यांग एवं बालिका शिक्षण संस्थान कुशहा, घनश्यामपुर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में 15 दिव्यांग बच्चों को व्हीलचेयर वितरित किया गया।

शिवपूजन पांडे, समाजसेवी घनश्याम तिवारी, राधेश्याम तिवारी,

तिवारी ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर



कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य राम कीरत दुबे और पूर्व प्रधानाचार्य रमेश सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में आनंद सेवा संस्थान के मार्गदर्शक तथा कादीपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक पांडे उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में आनंद सेवा संस्थान की संस्थापक डॉ रेखा तिवारी और सह संस्थापक आनंद तिवारी उपस्थित रहे। सम्मानित अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार

ममता शुक्ला, सुनीता पांडे, आनंद उपाध्याय, सुमन तिवारी, संतोष तिवारी और अधिवेश तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सुंदर संचालन अमर सिंह ने किया। विद्यालय के संस्थापक अजय सिंह ने समस्त लोगों का स्वागत सम्मान किया तथा प्रधानाचार्य प्रमोद

पर उपस्थित प्रमुख लोगों में पुष्पमित्र दुबे, वीरेंद्र सिंह, लालचंद तिवारी, दुर्गावती देवी, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, जितेंद्र यादव, संजय तिवारी, शंभू नाथ मिश्रा, अथर्व तिवारी, सान्वी, शिवा पांडे, श्याम सुंदर मिश्रा, वैभव तिवारी, आदि का समावेश रहा।

कन्या पूजन और हवन से भक्तिमय हुआ राम-जानकी दुर्गा पूजा पंडाल

महानवमी पर मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना, कन्याओं को कराया गया भोजन

जावेद शम्भूगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के शम्भूगंज स्थित राम-जानकी दुर्गा पूजा समिति, चकपटैला (पोखरा) के पंडाल में सोमवार को महानवमी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर हवन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा पंडाल भक्तिमय हो उठा। मां दुर्गा की हलवा-पूड़ी, चना और खीर का भोग अर्पित करने के बाद कन्या पूजन किया गया। कन्याओं को भोजन कराकर उपहार एवं दक्षिणा दी गई। श्रद्धालुओं ने मां



दुर्गा से परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष रजनीश यादव बक्लू, उपाध्यक्ष अभिषेक सेठ विराज, सचिव अनुरुद्ध मौर्य विजय, उपसचिव

शिवम यादव, कोषाध्यक्ष शिवांशु गुप्ता, मीडिया प्रभारी पंकज विश्वकर्मा, श्रेष्ठ अग्रहरि, श्रेयांस अग्रहरि, महेंद्र विश्वकर्मा, विजेन्द्र प्रताप यादव, राजेश गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाया जा रहे मिशन शक्ति 6.0 अभियान के तहत सोमवार को जौनपुर में एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं के सशक्तिकरण एवं प्रोत्साहन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को संबल प्रदान करना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम में पीड़ित महिलाओं को आमंत्रित कर उनके मामलों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई।

पीड़िताओं से संवाद कर समस्याओं के समाधान और प्रशासनिक सहयोग का दिया भरोसा



साथ ही, उनकी समस्याओं को सुनकर आवश्यक सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराने के संबंध में संवाद किया गया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) और संप्रदाई गुप के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया, ताकि पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा, सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिला प्रशासन एवं जौनपुर पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

प्रशासनिक सहयोग और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिला प्रशासन एवं जौनपुर पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

ओवरब्रिज पर बेकाबू ट्रक ने एसयूवी कार में मारी टक्कर, चार दर्शनार्थियों की मौत, चार गंभीर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मिजामुंराद क्षेत्र के रूपापुर ओवरब्रिज पर सोमवार सुबह करीब छह बजे कश्मीर से सेब लाद कर ट्रक संख्या जेके/09/ए/7761 से झारखंड जा रही तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने दर्शनार्थियों से भरी स्कॉर्पियो में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चार दर्शनार्थियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। शिवपुर थाना क्षेत्र निवासी किशन यादव अपनी स्कॉर्पियो (यूपी 65 ईबी 2199) से साथियों के साथ विध्याचल दर्शन करने गए थे। दर्शन कर सभी वाराणसी लौट रहे थे। रूपापुर ओवरब्रिज पर स्कॉर्पियो रोककर कुछ युवक सेल्फी लेने लगे। इसी दौरान प्रयागराज की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में आनंद यादव (25) पुत्र बनावारी, निवासी चमाव अहिरान, शिवपुर,

आलोक मिश्रा (30), निवासी पिंसीर, शिवपुर, प्रदीप सिंह (36) पुत्र योगेंद्र सिंह, निवासी एकला, चोलापुर और दिव्यान्शु यादव (30) पुत्र स्व. नवल किशोर यादव, निवासी वीडिए कॉलोनी, शिवपुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, किशन यादव (35), सावन यादव (26), राजकुमार यादव (35) और निखिल उर्फ गोलू (32) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची मिजामुंराद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को स्कॉर्पियो से बाहर निकाला और उपचार के लिए ट्रामा सेंटर भेजा। पुलिस ने सेब लदे ट्रक को कब्जे में ले लिया है। मौका देख चालक भागने में सफल रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिचालक को हिरासत में ले ली है। हादसे के कई घंटे बाद मृतकों और घायलों की पहचान हो सकी। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर डीसीपी नीतू काद्यान, एडीसीपी नृपेंद्र, एसीपी राजातालाब वीर सिंह व थाना प्रभारी मौजूद रहे।

BAJAJ **ए. एम. बजान**

प्रो अखिल भाजिद ९ भागी कलां, गुरेनी रोड, जौनपुर- 222139 ९ 9621032024, 9651316060, 9621139686

मीरा-भायंदर में कानून-व्यवस्था पर सवाल, नगर आयुक्त के आवास पर हुए हंगामे की निष्पक्ष जांच की मांग

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के आवास पर 16 अक्टूबर 2026 को हुए घटनाक्रम को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में विवाद गहराता नजर आ रहा है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस मामले में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को पत्र लिखकर कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा तथा पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के कथित उत्पीड़न का मुद्दा उठाया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। आयुक्त के आवास पर भीड़ जुटने का आरोप राज्यपाल को भेजे गए 19 अक्टूबर 2026 के पत्र में प्रताप सरनाईक ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार, 16 अक्टूबर को दोपहर लगभग 2 बजे स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता के साथ करीब 40 से 50 पार्षद और बड़ी

संख्या में कार्यकर्ता महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के आवास पर पहुंचे थे। पत्र के अनुसार, इस दौरान आयुक्त के आवास के बाहर बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने से तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई थी।

सरनाईक ने पत्र में कहा है कि उस समय आयुक्त अपने परिवार के साथ आवास पर मौजूद थे। उनके अनुसार, पुलिस के मौके पर पहुंचने और हस्तक्षेप करने के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। उन्होंने इस घटना को प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा और सरकारी कामकाज की स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। हालांकि, पत्र में लगाए गए आरोपों और घटनाक्रम के सभी पहलुओं की स्वतंत्र जांच होना अभी बाकी है। पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का मुद्दा

परिवहन मंत्री ने अपने पत्र में पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया है।



उन्होंने आरोप लगाया है कि पत्रकारों पर हमले और मारपीट की घटनाओं के बाद प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। पत्र में यह भी दावा किया गया है कि पत्रकारों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 353 के तहत मामले दर्ज कराने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। सरनाईक ने मांग की है कि पत्रकारों की स्वतंत्र रूप से समाचार संकलन करने तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं को लोकतांत्रिक गतिविधियों में भाग लेने

का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए। किसी भी पक्ष की ओर से कानून का दुरुपयोग किए जाने की शिकायत मिलने पर उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

विधायक और संबंधित पार्षदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग राज्यपाल को लिखे पत्र में सरनाईक ने विधायक नरेंद्र मेहता तथा कथित घटनाक्रम में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने संबंधित जनप्रतिनिधियों के आचरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई

करने और भीड़ जुटाकर कथित तौर पर दबाव बनाने वालों के खिलाफ कानूनी कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने यह भी मांग की है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के संगठन की ओर से विशेष जांच समिति गठित कर पूरे मामले की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि घटनाक्रम के वास्तविक तथ्यों का पता चल सके और जिम्मेदार लोगों की भूमिका निष्पार्ति की जा सके। प्रशासनिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर प्रताप सरनाईक ने अपने पत्र में कहा है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की अपनी-अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। किसी भी विवाद का समाधान कानून और निष्पार्ति प्रक्रिया के तहत होना चाहिए। यदि प्रशासनिक अधिकारियों पर अनुचित दबाव डालने या पत्रकारों को उनके

काम से रोकने के आरोप सामने आते हैं, तो उनकी गंभीरता से जांच की जानी चाहिए। उन्होंने राज्यपाल से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त के आवास पर 16 अक्टूबर को हुए घटनाक्रम को लेकर लगाए गए आरोपों के बीच अब निष्पक्ष जांच की मांग महत्वपूर्ण हो गई है। मामले में संबंधित पक्षों का आधिकारिक पक्ष, पुलिस की जांच और उपलब्ध साक्ष्य सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

फिलहाल, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के राज्यपाल को लिखे पत्र ने शहर में प्रशासनिक अधिकारियों की सुरक्षा, जनप्रतिनिधियों के आचरण और पत्रकारों की स्वतंत्रता से जुड़े सवालों को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

पीएनजी ज्वेलर्स की और से सप्तम कलेक्शन के साथ दिवाली उत्सव की शुरुआत की



मुंबई। भारत के प्रतिष्ठित और भरोसेमंद आभूषण ब्रांडों में से एक पीएनजी ज्वेलर्स ने दिवाली के अवसर पर अपने विशेष अभियान की घोषणा की है। इस अभियान का मुख्य आकर्षण सप्तम कलेक्शन है, इसके साथ ही ग्राहकों को सोने के आभूषणों की मेकिंग चार्जस पर 50% तक और हीरे के आभूषणों की मेकिंग चार्जस पर 100% तक की छूट मिलेगी। पुराने सोने के बदले नए आभूषण खरीदने पर 0% कटौती का लाभ भी मिलेगा। इस अभियान के तहत पीएनजी ज्वेलर्स का प्योर ग्राइस लाभ भी उपलब्ध है। इसके अंतर्गत ग्राहक आभूषणों की बुकिंग करते समय बुकिंग की तारीख या बिलिंग की तारीख पर लागू सोने की दरों में से जो दर कम होगी, उस दर का लाभ ले सकेगे। इससे ग्राहकों को सोने की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से अधिक सुरक्षा के लिए मदद मिलेगी। ये ऑफर्स पीएनजी ज्वेलर्स के सभी स्टोर्स पर 15 नवंबर 2026 तक उपलब्ध रहेंगे। पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष व व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, दिवाली भारत में सोने की खरीदारी के सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से एक है। इसका सांस्कृतिक महत्व होने के साथ-साथ इसे निवेश के जरिए से भी देखा जाता है।

घर में संधमारी कर 2.28 लाख के सोने-चांदी के आभूषण चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार



नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। घर में संधमारी कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले दो आरोपियों को अछोले पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए कुल 2 लाख 28 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर चोरी की वारदात को सुलझाने में सफलता हासिल की है। परिवार के चर्च जाने घर पर में की चोरी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता सोमू जयंत बेराल (34), निवासी लोढ़ा चंद्रेश पौलाडइज, संखेखर नगर, गलानगर, नालासोपारा पूर्व, 11 अक्टूबर 2026 को शाम करीब 6 से 9 बजे के बीच अपने परिवार के साथ प्रार्थना के लिए चर्च गए थे। इसी दौरान एक अज्ञात चोर ने उनके घर के पीछे लगे लोहे के दरवाजे को तोड़कर घर में प्रवेश किया। इसके बाद शयनकमर में रखी लोहे की अलमारी से 2 लाख 28 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर फरार हो गया।

घटना की शिकायत मिलने के बाद अचोले पुलिस स्टेशन में 13 अक्टूबर 2026 को भारतीय न्याय संहिता , 2023 की संबंधित धाराओं 305, 331(3) और 331(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपी गिरफ्तार चोरी की वारदात का खुलासा करने के लिए अछोले पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा के अधिकारी और कर्मचारी आरोपियों की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान 14 अक्टूबर 2026 को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि चोरी की वारदात में शामिल संदिग्ध दिनेश पवार और अफसर खान विरार पूर्व के चंदनसर इलाके में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कटकारी पाड़ा, विरार पूर्व में तलाश अभियान चलाया। इस दौरान दोनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पुछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, पुछताछ के दौरान दोनों ने कथित तौर पर आपसी मिलीभगत से चोरी करने की बात स्वीकार की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार है: दिनेश राजू पवार (21 वर्ष), निवासी साई कृपा चॉल, कटकारी पाड़ा, चंदनसर, विरार पूर्व। 2. अफसर असलम खान (26 वर्ष), निवासी साई बाजार, तुलिन, नालासोपारा पूर्व। दोनों आरोपी

कबाड़ इकट्ठा करने का काम करते हैं। चोरी के सभी आभूषण बरामद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर गहन पुछताछ और जांच की। इस कार्रवाई में चोरी किए गए कुल 2 लाख 28 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, इस बरामदगी के साथ ही संबंधित चोरी के मामले को सुलझा लिया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर (जोन-2, वसई), सहायक पुलिस आयुक्त नितिन गिते (तुलिन विभाग), अचोले पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुजीत कुमार पवार तथा पुलिस निरीक्षक शकील शेख (अपराध) के मार्गदर्शन में की गई। अपराध जांच शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक माणिक पाटिल, पुलिस उपनिरीक्षक तुकाराम भोपाले, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक दत्तात्रय दिंगडे तथा पुलिसकर्मियों शंकर शिंदे, निखिल चव्हाण, विनायक काकरे, अमोल सांगले, अनिल पवार, मोहनदास बंडार, हारिम पटेल, सुशांत भोये, लोकेश कुवर, गोविंद गुटे और दीपक भागे ने इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अचोले पुलिस की इस कार्रवाई से घर में संधमारी कर चोरी करने के मामले का खुलासा हुआ और शिकायतकर्ता के चोरी हुए सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर लिए गए।

दूसरी छमाही में 5.4% बढ़ेगा रोजगार: टीमलीज

मुंबई। भारत की प्रमुख स्टॉकिंग कंपनी 'टीमलीज सर्विसेज' ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही (अक्टूबर 2026 -मार्च 2027) के लिए अपनी 'एम्प्लॉयमेंट आउटलुक रिपोर्ट' जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में नए एम्प्लॉयमेंट जेंज (टपउ) 5.4% रहने का अनुमान है, जो पहली छमाही के 4.7% से अधिक है और पिछले बार छमाही अवधियों में सबसे उच्चतम स्तर है। यह वृद्धि नियोजताओं के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है, जहाँ 60% संगठन अपने कार्यबल के विस्तार की योजना बना रहे हैं, 24% किसी बदलाव की उम्मीद नहीं करते, जबकि 16% कटौती का अनुमान जताते हैं। कार्यबल के आकार को प्रभावित करने वाले मुख्य कारकों में आर्थिक परिस्थितियाँ (67%), व्यावसायिक वृद्धि या पुनर्गठन (43%) और तकनीकी प्रगति (40%) शामिल हैं। रोजगार वृद्धि में अग्रणी क्षेत्रों की बात करें तो ई-कॉमर्स और टेक स्टार्ट-अप्स 12.6% टपउ के साथ सबसे आगे हैं, जिसके बाद ट्रेवल एंड हॉस्पिटैलिटी (12.3%) और रिटेल (10.3%) का स्थान है। इसके अतिरिक्त ऑटोमोटिव (10.1%), ईवी एंड ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर (9.7%) और बैंकिंग (9.2%) क्षेत्रों में भी भर्ती के मजबूत इरादे देखे गए हैं। संगठन के आकार के आधार पर, बड़ी कंपनियों में से 66% अपने कार्यबल को बढ़ाने की योजना बना रही है, जबकि मध्यम आकार के उद्यमों में यह 59% और स्टार्ट-अप व छोटे व्यवसायों में 53% है। शहरों के स्तर पर बेंगलुरु 68% के साथ भर्ती की मंशा में सबसे आगे है, जबकि हैदराबाद (61%) और पुणे (60%) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं, जहाँ पुणे ने इस छमाही में सबसे बड़ी बढ़त दर्ज की है।

JIVO बाजार का भव्य आयोजन संपन्न, डॉ मंजू लोढ़ा और ईशा देओल ने किया उद्घाटन

मुंबई। दक्षिण मुंबई के नाना चौक स्थित शारदा स्कूल में जैन इंटरनेशनल वुमेन ऑर्गनाइजेशन (JIVO) के साउथ मुंबई चैप्टर की ओर से आयोजित JIVO बाजार का भव्य आयोजन शनिवार, 17 अक्टूबर को दक्षिण मुंबई में संपन्न हुआ। महिलाओं को अपने हुनर, उत्पादों और व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस एग्रीजिबेशन में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला।



कार्यक्रम का उद्घाटन JIVO की अध्यक्ष श्रीमती मंजूबेन लोढ़ा एवं बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के हाथों किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रमिता लोढ़ा, बॉलीवुड अभिनेत्री प्रमिता जयकर और अपूर्वा मित्तल भी उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उद्घाटन के पश्चात मंजूबेन लोढ़ा और ईशा देओल ने एग्रीजिबेशन में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों एवं काउंटरों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने महिला उद्यमियों से बातचीत कर उनके उत्पादों, व्यवसाय और कार्यों के बारे में जानकारी ली। प्रमिता जयकर और अपूर्वा मित्तल भी उनके साथ मौजूद रहीं और उन्होंने महिलाओं का हौसला बढ़ाया। शॉप, सपोर्ट

उनके महत्वपूर्ण सहयोग और प्रायोजन के लिए आयोजकों ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि जब महिलाओं को सही मंच, प्रोत्साहन और सहयोग मिलता है, तो वे अपनी प्रतिभा के दम पर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव श्रीमती इंदिरा खिंवसरा एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती उमा मुणोता का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा, समस्त कार्यकारिणी समिति का भी अपूर्व योगदान रहा। संपूर्ण कार्यक्रम आचार्य भगवान श्री नयपद्मासागर जी महाराज साहेब एवं गुरुव्या मयणा श्रीजी के आशीर्वाद से शुरू हुआ। महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को समर्पित JIVO बाजार का आयोजन इस सकारात्मक सोच के साथ यादगार रहा। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं का समावेश रहा।

रुस्तमपुर डिहिया में आस्था और एकता का संगम बना जय माता दी मित्र मंडल



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के रुस्तमपुर डिहिया गांव में शारदीय नवरात्रि का पर्व श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मां दुर्गा की भक्ति में लीन ग्रामीणों के बीच धार्मिक उत्साह देखते ही बन रहा है। पूजा-अर्चना और माता रानी के जयकारों से गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। इस आयोजन के जरिए ग्रामीण एकता, आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव को मिसाल पेश कर रहे हैं। रुस्तमपुर डिहिया में इस धार्मिक उत्सव का आयोजन जय माता दी मित्र मंडल के तत्वावधान में किया जा रहा है। नवरात्रि के दौरान गांव के लोग एक साथ जुटकर मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं और परिवारों सहित पूरे क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं। आयोजन में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि धार्मिक परंपराएं समाज को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस आयोजन की एक विशेष पहचान मुंबई से आने वाले राजा राम यादव हैं, जो हर वर्ष मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा और गांव से अपने गहरे जुड़ाव के चलते रुस्तमपुर पहुंचते हैं। नवरात्रि के कार्यक्रम में उनकी सहभागिता ग्रामीणों के बीच उत्साह बढ़ाती है और गांव की मिट्टी से जुड़े रहने की भावना को मजबूत करती है। नवरात्रि उत्सव को सफल बनाने में गांव के युवाओं का भी सराहनीय योगदान है। समाजसेवक शिव कुमार, इन्द्रेश यादव, हरजीत यादव, रिंट यादव और सोनू सहित अन्य युवा आयोजन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ग्रामीणों और युवाओं के सामूहिक प्रयास से धार्मिक कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हो रहे हैं। जय माता दी मित्र मंडल का यह आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकजुटता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी बन रहा है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ समाज में सहयोग, सद्भाव और आपसी सम्मान की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। रुस्तमपुर डिहिया में नवरात्रि का यह उत्सव इस बात का प्रतीक बन रहा है कि जब ग्रामीण मिल-जुलकर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, तो समाज में एकता और भाईचारे की भावना और मजबूत होती है। मां दुर्गा की भक्ति के साथ गांव में आपसी प्रेम और सद्भाव का संदेश भी प्रसारित हो रहा है।

श्री रामवाड़ी नवरात्रि मंडल ने होमाष्टमी पर धार्मिक अनुष्ठान और डीजे गरबा-रास का किया आयोजन



मुंबई। सी वार्ड के पुरुषोत्तमदास एच. पुरोहित मार्ग पर स्थित 79 वर्ष पुराने प्रतिष्ठित श्री रामवाड़ी नवरात्रि मंडल द्वारा होमाष्टमी के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ डीजे गरबा-रास का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र

विधानसभा के अध्यक्ष एवं विधायक राहुल नावकर, आदर्श गुण ऑफ होटल्स के जगदीश पुरोहित, सी एवं डी वार्ड प्राण समिति के अध्यक्ष आकाश राज के. पुरोहित, पूर्व पार्षद जनक संघवी एवं शरद (शाह) पेटेवाला तथा होटल आदर्श

बथुकम्मा उत्सव में उमड़ा महिलाओं का हजूम, तेलुगु संस्कृति की दिखी झलक

भिवंडी। मिनी भारत के नाम से मशहूर भिवंडी में रविवार को सहुला बथुकम्मा उत्सव पारंपरिक उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। शहर में नौवें दिन बथुकम्मा मनाने की सदियों पुरानी परंपरा है। इस अवसर पर पद्मानगर, कामतधर, गणेशनगर, भाग्यनगर, कनेरी, गौरीपाड़ा, पांजरापोल, नारपोली, भंडारी कंपाउंड और चंदनबाग सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने रंग-बिरंगे फूलों से सजी बथुकम्मा के साथ पारंपरिक गीत गाए और नृत्य किया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने बथुकम्मा को जुलूस के रूप में वराला देवी तालाब के तीन घाटों तक पहुंचाया, जहां विधिवत विसर्जन किया गया। शहर में कुल नौ स्थानों पर विसर्जन की व्यवस्था की गई थी। विसर्जन स्थलों पर गज तैराकों और तेलुगु प्रजा सेवा समिति 3 की सभापति डॉ. राजिता मोहन, नगरसेविका वंदना काटेकर और पूर्व नगरसेविका शशिलता संतोष शेठ्टी



सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उत्सव में भाग लिया। राजिता कोंडा ने कहा कि बथुकम्मा प्रकृति की पूजा और देवी गौराम्मा के सम्मान का पर्व है, जो तेलुगु संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। उत्सव को लेकर मनना ने सफाई, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराईं। पुलिस ने भी सुरक्षा के पख्ता इंतजाम किए। अखिल पद्मसाली समाज के अध्यक्ष पोद्दाबथिनी रामकृष्ण ने बताया कि उत्सव में आने वाले लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई है। हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस बार भी करीब 25 हजार लोगों को

पोहा वितरित करने की तैयारी की गई। मार्कडेंड्य महामुनि वाचनालय के महासचिव पापु ईश्वर ने बताया कि बथुकम्मा उत्सव के आयोजन में सहयोग देने वाले दानदाताओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में विधायक महेश चौगुले, विधायक रईस शेख, महापौर नारायण चौधरी, मनपा आयुक्त अनमोल सागर तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उत्सव के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के साथ एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और उल्लासपूर्ण वातावरण में पर्व का समापन किया।

फोनोपे ने अपने स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म को 'फोनोपे इन्वेस्ट' में अपग्रेड किया है

मुंबई: फोनोपे का बड़ा एक कदम! कंपनी ने अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म 'शेयर.मार्किट' का नाम बदलकर 'फोनोपे इन्वेस्ट' कर दिया है, ताकि यूजर्स को एक ही भरोसेमंद ब्रांड नेम के साथ निवेश का एक बेहतर अनुभव मिल सके। शेयर.मार्किट अब फोनोपे इन्वेस्ट हो गया है। इस बदलाव के साथ ही पेमेंट्स, लोन और इश्येयर्स की तरह बेहतरतम रिसर्च-आधारित इन्वेस्टिंग सर्विसेस भी अब फोनोपे के एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। इसके जरिए निवेश अब फोनोपे के करोड़ों यूजर्स के लिए और भी आसान हो जाएगा, जिससे वेल्थ सर्विसेज एक बड़े वर्ग तक पहुंच सकेंगी। इस नए बदलाव के तहत, फोनोपे इन्वेस्ट अपने स्टॉक्स, IPO, म्यूचुअल फंड्स और F&O ऑफर्स को हाल ही में लॉन्च हुए नए पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर के साथ जोड़ता है, जो एक ऑल-इन-वन पोर्टफोलियो इंटीलिजेंस टूल है। इसके जरिए यूजर्स एक ही प्लेटफॉर्म पर अपना पोर्टफोलियो बनाने, रिव्यू करने और ऑप्टिमाइज कर सकते हैं। निवेश करने से आगे बढ़कर 'पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर' आपको पूरी इन्वेस्टिंग जर्नी को आसान बनाता है। यह नए यूजर्स के लिए बेहद आसान एक टूल पेश करता है और अनुभवी निवेशकों को उनके पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने के लिए सटीक इंसाइट्स देता है। निवेशकों को सिर्फ 'एक क्लिक' में अपने फोनोपे इन्वेस्ट पोर्टफोलियो की हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करता है। निवेशक खराब प्रदर्शन करने वाले एसेट्स, सेक्टर कंसंट्रेशन से जुड़े जोखिमों और अपने पोर्टफोलियो पर असर डालने वाले दूसरे कारकों की पहचान कर सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो को आसानी से रीबैलेंस करने के लिए बेहतर विकल्पों को चुन सकते हैं। इस पूरे अनुभव का मूल आधार स्मार्ट पोर्टफोलियो डायनोस्टिक्स, व्यावहारिक इंसाइट्स और सटीक रेटिंग्स है। यह निवेशकों को समझने में मदद करते हैं कि उनके पोर्टफोलियो को क्या प्रभावित कर रहा है, ताकि वे सोच-समझकर बेहतर निर्णय ले सकें। एक्टिव निवेशकों के लिए 'पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर' खास फोनोपे इन्वेस्ट ऐप के जरिए उपलब्ध होगा, जबकि आम यूजर्स के लिए मुख्य फोनोपे ऐप में आसान एंट्री पॉइंट्स और गाइडेड इन्वेस्टमेंट जर्नी भी शामिल

पालघर में बजरंग डांडिया रास की धूम, रामकथा की गूंज के बीच गौसेवा का संकल्प

पालघर(उत्तरशक्ति)। धार्मिक आस्था, भारतीय संस्कृति और सेवा भावना का अनूठा संगम बना बजरंग डांडिया रास इन दिनों पालघर जिले में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल, पालघर की ओर से आयोजित इस नौ दिवसीय कार्यक्रम में पालघर, दहानू, बोईसर, तलासरी सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भगवान श्रीराम की कथा, मां अंबे की आराधना,



पारंपरिक डांडिया रास और गौसेवा के संकल्प ने आयोजन को विशेष पहचान दिलाई है। कार्यक्रम में वाराणसी से पथारे परम पूज्य कथावाचक श्री आनंद पराशर की भावना श्रीराम के जीवन प्रसंगों, आदर्शों और रामायण की प्रेरणादायी घटनाओं का वर्णन कर रहे हैं। राम कथा की आयोजक कोमल नंदकुमार दुबे ने बताया कि रामकथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, मर्यादा, कर्तव्य और संस्कारों का संदेश मिल रहा है। दिन में कथा श्रवण के लिए श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहती है, वहीं रात में पारंपरिक डांडिया रास की धूम देखने को मिलती है। भक्ति और उत्साह से सराबोर वातावरण में लोग बड़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। बजरंग डांडिया रास की विशेषता यह है कि यहां धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सेवा कार्यों को भी महत्व दिया जा रहा है। गौसेवा के लिए आर्थिक सहयोग देकर आयोजक जीवों के प्रति करुणा,

सर्वेदारशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दे रहे हैं। इस पहल से धार्मिक आस्था को सेवा भावना से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। बजरंग डांडिया रास के अध्यक्ष मुकेश दुबे ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक उत्सव मनाना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना भी है। भगवान श्रीराम के आदर्श हमें कर्तव्य और सेवा की प्रेरणा देते हैं। इसी भावना के साथ गौसेवा के लिए आर्थिक सहयोग दिया जाता है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी अपनी संस्कृति और परंपराओं को सश्रद्धे तथा सामाजिक सेवा के कार्यों में आगे आये, यही आयोजन की सार्थकता है। जो सभी कार्यकर्ताओं की लगन और मेहनत से सफल होता है। रामकथा की आध्यात्मिकता, डांडिया रास की उमंग और गौसेवा का संदेश बजरंग डांडिया रास को धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सरोकारों का मंच बना रहा है।